CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-354
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सच्चा प्रयास कभी निष्फल नहीं होता.

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, मंगलवार 01 अप्रैल 2025

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

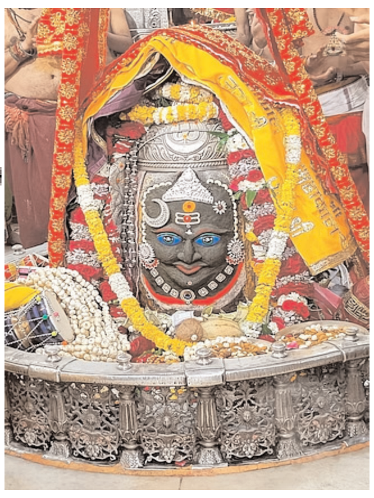

केंद्रीय बजट 2025-26 लागू: आयकर, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई और अन्य वित्तीय क्षेत्र के नए नियम शुरू, आम आदमी की जेब पर सीधा असर

नई दिल्ली। मंगलवार 1 अप्रैल से नया वित्तीय वर्ष शुरू हो गया है। इसी के साथ देश में केंद्रीय बजट 2025-26 लागू हो गया है। इससे देश के वित्तीय क्षेत्र से जुड़े कई बदलाव लागू हो गए हैं। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा फरवरी में पेश किए आम बजट में आयकर नियम से जुड़े बदलाव, क्रेडिट कार्ड से जुड़े बदलाव, यूपीआई नियम में बदलाव और अन्य वित्तीय क्षेत्र के बदलावों की जानकारी दी गई थी। नया वित्तीय वर्ष शुरू होने के साथ ही ये बदलाव लागू हो गए हैं। हालांकि, योजनाओं का फायदा कब से मिलेगा, यह योजना के प्रकार और लागू करने की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। आयकर छूट या सब्सिडी जैसे फायदे 1 अप्रैल 2025 से लागू हो जाते हैं, क्योंकि ये वित्तीय वर्ष के साथ जुड़े होते हैं। वहीं इन्फ्रास्ट्रक्चर और विकास परियोजनाएं, सामाजिक कल्याण योजनाओं का फायदा मिलने में समय लगता है, क्योंकि इन पर काम करने की एक लंबी प्रोसेस होती है।

इसी के साथ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को 'नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच' पोर्टल का शुभारंभ करेंगी। इस पोर्टल पर 2022-23 तक के (पिछले तीन दशकों) राज्यों के सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय मापदंडों से जुड़े आंकड़े उपलब्ध होंगे। नीति आयोग की राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के सहयोग से विकसित यह पोर्टल, राज्यों की पांच श्रेणियों- जनसांख्यिकी; आर्थिक संरचना; राजकोषीय; स्वास्थ्य और शिक्षा- से जुड़े डाटाबेस तक लोगों को सीधी पहुंच प्रदान करेगी। नीति आयोग ने एक बयान में कहा कि इसके अलावा, यह पोर्टल 28 भारतीय राज्यों के वृहद और राजकोषीय परिदृश्य की जानकारी भी उपलब्ध कराएगा। ये आंकड़े जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना, सामाजिक-आर्थिक और राजकोषीय संकेतकों पर आधारित होगा। पोर्टल से वृहद, राजकोषीय, जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक रुझानों को समझने में सुविधा होगी।

नए आयकर नियम में बदलाव केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट 2025-26 भाषण के दौरान नए टैक्स स्लैब और दरों में बदलाव की घोषणा की थी। ये संशोधित आयकर नियम 1 अप्रैल से लागू हो गए हैं। नए आयकर नियमों के तहत, सालाना 12 लाख रुपए तक की आय वाले लोगों को आयकर का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी। वेतनभोगियों को 75,000 रुपए की मानक कटौती का भी लाभ मिलेगा। इससे नई कर व्यवस्था के तहत प्रभावी रूप से 12.75 लाख रुपए का वेतन कर-मुक्त हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, नई कर व्यवस्था के तहत कर स्लैब में भी बदलाव किया गया है।

यूपीआई के नए नियम नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कई दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये दिशा निर्देश लागू हो गए हैं। 1 अप्रैल से निष्क्रिय नंबरों से यूपीआई भुगतान संभव नहीं होगा। एनपीसीआई ने बैंकों और थर्ड-पार्टी यूपीआई प्रदाताओं जैसे फोनपे और गूगल पे को यूपीआई से जुड़े निष्क्रिय नंबरों को चरणबद्ध तरीके से हटाने के लिए दिशा-निर्देश लागू करने को कहा है। ये नंबर सुरक्षा से जुड़े जोखिम पैदा करते हैं। अगर यूपीआई से जुड़ा आपका मोबाइल नंबर लंबे समय से इस्तेमाल नहीं किया गया है, तो आप 01 अप्रैल से अपने यूपीआई खाते तक पहुंच खो सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड नियम में बदलाव कुछ कार्डधारकों के लिए रिवॉर्ड पॉइंट स्ट्रक्चर के मामले में क्रेडिट कार्ड के नियम भी बदल गए हैं। अब सिंपलीक्लिक और एयर इंडिया एसबीआई प्लेटिनम क्रेडिट कार्ड के साथ एसबीआई कार्ड का उपयोग करने वालों को रिवॉर्ड पॉइंट स्ट्रक्चर में बदलाव देखने को मिलेगा। एयरलाइन के एयर इंडिया में विलय के बाद एक्सिस बैंक ने अपने विस्तारा क्रेडिट कार्ड के लाभों में संशोधन किया है, जो नए वित्तीय वर्ष में लागू हो जाएंगे।

एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) लागू अगस्त 2024 में सरकार द्वारा शुरू की गई एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) ने पुरानी पेंशन योजना की जगह ले ली है। यह 1 अप्रैल से लागू हो गई है। नई पेंशन योजना नियम परिवर्तन से केंद्र सरकार के लगभग 23 लाख कर्मचारी प्रभावित होंगे। इसके तहत कम से कम 25 साल की सेवा वाले कर्मचारियों को उनके अंतिम 12 महीनों के औसत मूल वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन मिलेगी।

जीएसटी नियम में बदलाव 1 अप्रैल से जीएसटी नियमों में बदलाव हो गया है। गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) पोर्टल पर अब मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (एमएफए) होगा, जिसे करदाताओं के लिए बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य कर दिया गया है। ई-वे बिल (ईडब्ल्यूबी) केवल उन आधार दस्तावेजों के लिए बनाए जा सकेंगे जो 180 दिनों से अधिक पुराने नहीं हैं। इसके अलावे वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने व्यवसायों के लिए ई-इनवॉइसिंग प्रक्रिया में भी बदलाव हो रहा है। एक अप्रैल, 2025 से, 10 करोड़ रुपये से अधिक और 100 करोड़ रुपये तक के सालाना कारोबार वाले व्यवसायों को इनवॉइस जारी होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर इनवॉइस पंजीकरण पोर्टल पर ई-इनवॉइस अपलोड करना होगा। फिलहाल यह पाबंदी सिर्फ 100 करोड़ या उससे अधिक वाले व्यवसायों पर लागू होता है।

बैंक में न्यूनतम शेष राशि एसबीआई, पंजाब नेशनल बैंक, केनरा बैंक और अन्य ऋणदाता 1 अप्रैल से नए न्यूनतम शेष राशि नियमों के साथ अपनी न्यूनतम शेष राशि आवश्यकताओं को अपडेट कर रहे हैं। जो बैंक खाताधारक न्यूनतम शेष राशि नहीं रख पाएंगे, उन्हें दंडित किया जाएगा। कई बैंक अपने मिनिमम बैलेंस के नियमों में बदलाव कर रहे हैं। अलग-अलग तरह के खातों, बैंकों और शाखाओं (जैसे मेट्रो, शहरी, सेमी-अर्बन या ग्रामीण) के लिए मिनिमम बैलेंस की आवश्यकता अलग-अलग होगी। एसबीआई, पंजाब नेशनल बैंक और केनरा समेत कई बैंकों के ग्राहकों को एक अप्रैल से शहरी, कस्बाई और ग्रामीण इलाकों के हिसाब से अपने बैंक खाते में न्यूनतम बैलेंस मेंटेन करना पड़ सकता है।

आधार से पैन लिंक नहीं होने पर डिविडेंड में दिक्कत जिन लोगों ने अपने पैन को आधार से लिंक नहीं किया है, उन्हें डिविडेंड नहीं मिलेगा। इसकी आखिरी तारीख बहुत पहले ही खत्म हो चुकी है। अगर लिंक नहीं किया गया तो डिविडेंड और कैपिटल गेन से टीडीएस कटौती बढ़ जाएगी। इससे भी बुरा यह है कि फॉर्म 26एएस में कोई क्रेडिट नहीं मिलेगा। इसका असर यह होगा कि रिफंड में ज्यादा समय लगेगा। साथ ही, शेयरों और म्यूचुअल फंड से मिलने वाले पेमेंट से टीडीएस कम हो जाएगा। अगर आपका पैन आधार से लिंक नहीं है तो आपको डिविडेंड मिलने में परेशानी होगी।

एफडी- आरडी जैसी स्कीम के निवेशकों को फायदा अगर आप फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करते हैं तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। 1 अप्रैल से एफडी, आरडी और इस तरह की दूसरी सेविंग स्कीम्स पर बैंक 1 लाख रुपये तक के ब्याज पर टीडीएस नहीं काटेगा। यह लिमिट सीनियर सिटीजन के लिए तय की गई है जो पहले 50 हजार रुपये थी। दूसरे निवेशकों को भी राहत दी गई है और उनके लिए इस लिमिट को 40 हजार रुपये से बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दिया गया है। यानी सीनियर सिटीजन को एफडी पर अगर एक साल में 1 लाख रुपये तक का इंटरेस्ट मिलता है तो उस पर कोई टीडीएस नहीं कटेगा।

डीमैट के सख्त नियम लागू म्यूचुअल फंड और डीमैट अकाउंट खोलने के लिए भी नियम सख्त हो गए हैं। सेबी ने नॉन-बैंक फाइनेंशियल कंपनियों के लिए केवायसी के नए नियम बनाए हैं। सभी यूजर्स को अपने केवायसी और नॉमिनी की जानकारी को फिर से वेरिफाई करना होगा। जो लोग ऐसा नहीं करते हैं, उनके अकाउंट फ्रीज हो सकते हैं। अकाउंट को फिर से एक्टिव किया जा सकता है। लेकिन, नॉमिनी की जानकारी सही नहीं होने पर रिडेम्पशन में दिक्कत आ सकती है। इसलिए, यह सुनिश्चित करें कि आपके म्यूचुअल फंड और डीमैट अकाउंट अपडेटेड हैं। इससे आपको लेन-देन करने में कोई परेशानी नहीं होगी।

धोखाधड़ी से बचने के लिए पॉजिटिव पे सिस्टम धोखाधड़ी से बचने के लिए आरबीआई ने पॉजिटिव पे सिस्टम (पीपीएस) लागू किया है। कई बैंक इस सिस्टम को लागू कर रहे हैं। पीपीएस के तहत, अगर आप 50,000 रुपये से ज्यादा का चेक जारी करते हैं तो आपको बैंक को चेक के बारे में कुछ जानकारी इलेक्ट्रॉनिक रूप से देनी होगी। बैंक इस जानकारी को चेक के पेमेंट से पहले वेरिफाई करेगा। अगर कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो कार्रवाई की जाएगी। इससे चेक से होने वाली धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी।

बच्चे को देखभाल की जरूरत...

पति की हत्या की आरोपी महिला को सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पति की हत्या की आरोपी एक महिला को सोमवार को जमानत दे दी है। हत्या के इस मामले में शव ओडिशा के खुर्दा जिले के जंगल में ट्रॉली बैग में मिला था। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि 23 जनवरी, 2023 को गिरफ्तार की गई महिला ने 2 साल से अधिक समय हिरासत में बिताया है और उसका एक बच्चा है जिसे माता-पिता की देखभाल की आवश्यकता है। न्यायालय ने कहा कि 37 गवाहों में से 15 से पूछताछ की गई और मुकदमा पूरा होने में कुछ समय लगेगा। पीठ ने कहा कि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि याचिकाकर्ता गवाहों को प्रभावित करने की स्थिति में नहीं दिखती। उसे अपने बच्चे की देखभाल करनी है। आरोपों के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त किए बिना हम उसे जमानत पर रिहा करने के पक्ष में हैं। इसने महिला को निचली अदालत की संतुष्टि के लिए जमानत बॉन्ड भरने पर रिहा करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को जारी सुनवाई में सहयोग करना होगा और सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के समक्ष उपस्थित होना होगा।महिला ने ओडिशा हाईकोर्ट के 20 दिसंबर 2024 के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें उसे जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। पति की हत्या के आरोप में महिला और 2 अन्य लोगों को पुलिस ने 23 जनवरी को गिरफ्तार किया था, जो कथित तौर पर शराबी और हिस्ट्रीशीटर था। मारे गया व्यक्ति कथित तौर पर पर शराब की लत का शिकार था और उसका आपराधिक इतिहास था। ओडिशा में खुर्दा जिले के हरिपुर जंगल में व्यक्ति का शव मिलने के एक दिन बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था।

मध्यप्रदेश सरकार कॉन्ट्रैक्ट पर चलवाएगी बसें, सफर होगा आसान

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' शुरू करने के प्रस्ताव की समीक्षा की। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का मकसद ग्रामीण, शहरी और अंतर-शहरी क्षेत्रों में लोगों के लिए सुगम और किफायती सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराना है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि इस सुविधा से ग्रामीण, शहरी और अंतर-शहरी परिवहन व्यवस्था मजबूत की जाएगी। प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। सभी से विस्तृत चर्चा के बाद इसे मंजूरी के लिए कैबिनेट की बैठक में लाया जाएगा।वहीं परिवहन सचिव मनीष सिंह ने बताया कि नई परिवहन व्यवस्था के तहत यात्री बसों के संचालन की त्रिस्तरीय निगरानी की जाएगी। यही नहीं इस परिवहन सेवा के लिए राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी बनाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि सात प्रमुख संभागों (भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर और रीवा) में 7 क्षेत्रीय सहायक कंपनियां बनाई जाएंगी। यही नहीं जिला स्तरीय यात्री परिवहन समितियों का गठन किया जाएगा। ये निकाय परिवहन व्यवस्था में सुधार, किराया निर्धारण, रूट चार्ट तैयार करने में कोऑर्डिनेशन करेंगे। साथ ही ये निकाय यात्रियों को योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलाने के लिए काम करेंगे। सात क्षेत्रीय सहायक कंपनियों के लिए आय के स्रोत सृजित करने के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। परिवहन सचिव मनीष सिंह ने बताया कि राज्य सरकार कॉन्ट्रैक्ट वाली बसों को प्राथमिकता के आधार पर परमिट देगी। यही नहीं इन बसों पर प्रभावी नियंत्रण भी रखेगी। नई व्यवस्था में यात्रियों और बस संचालकों के लिए एक ऐप उपलब्ध कराया जाएगा। यही नहीं कंपनी की निगरानी के लिए एक डैशबोर्ड होगा। नई सेवा के लिए सर्वेक्षण किए जा रहे हैं। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, फीडबैक के आधार पर ही सरकार इस सिस्टम को लाने की दिशा में आगे बढ़ेगी।

हनीमून के दौरान पति से झगड़ा, ससुराल के बाहर धरने पर बैठ गई दुल्हन

लखनऊ। यूपी के मुजफ्फरनगर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक युवती की शादी फरवरी में हुई थी। शादी के बाद दोनों हनीमून मनाने श्रीलंका गए। वहां पति-पत्नी के बीच दहेज को लेकर झगड़ा हो गया। बात इतनी बढ़ी की दोनों हनीमून बीच में ही छोड़कर वापस लौट आए और दूल्हे ने दुल्हन को मायके छोड़ दिया। दूसरी ओर दुल्हन भी परिजनों के साथ ससुराल के बाहर धरने पर बैठ गई। ये मामला क्षेत्र में फिलहाल सुर्खियों में बना हुआ है। ये मामला नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के एटूएड पोर्स कॉलोनी का है। जहां एक युवक की शादी 12 फरवरी को शालिनी के साथ हुई थी। दुल्हन का आरोप है कि शादी के बाद दोनों हनीमून के लिए पहले बाली और फिर श्रीलंका जाने वाले थे। लेकिन बाली में ही पति शादी कमें खर्चे का हवाला देते हुए दहेज में 50 लाख की डिमांड करने लगा। इसे लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

प्लेन उड़ाते समय पायलट की अचानक बिगड़ी तबीयत, विमान हुआ क्रैश

मेहसाणा। गुजरात के मेहसाणा जिले में एक ट्रेनी विमान क्रैश हो गया है। बताया जाता है कि उचर्पी के पास यह प्लेन तब दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जब उड़ान के दौरान ही महिला ट्रेनी पायलट की अचानक तबीयत खराब हो गई। हादसे में महिला ट्रेनी पायलट को मामूली चोटें आई हैं। उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, गुजरात के मेहसाणा जिले में सोमवार शाम को प्राइवेट विमानन अकादमी का ट्रेनी प्लेन हादसे का शिकार हो गया। इसमें एक महिला ट्रेनी पायलट घायल हो गई। उसे आनन फानन में नजदीकी अस्पताल लेकर जाया गया। दुर्घटना में ट्रेनी महिला पायलट को मामूली चोटें आई हैं। घायल महिला ट्रेनी पायलट का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की जांच के लिए एयरपोर्ट के साथ-साथ विमानन अधिकारियों को हादसे के बारे में सूचित कर दिया गया है।

उज्जैन में कालभैरव को शराब के भोग की जिम्मेदारी मंदिर प्रबंधन की

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन समेत मध्यप्रदेश के 17 धार्मिक स्थलों पर सोमवार रात से शराब दुकानें हमेशा के लिए बंद हो गईं। नई आबकारी नीति के तहत मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 17 शहरों में शराबबंदी का निर्णय लिया था। इसको देखते हुए इन निर्देशों का पालन एक अप्रैल से करवाया जाएगा, लेकिन धार्मिक नगरी उज्जैन में इस निर्देश से भगवान काल भैरव को लगाने वाले भोग को लेकर काफी समय से असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। इस पर सोमवार को कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने मीडिया को बताया कि काल भैरव मंदिर के सामने लगे शराब के काउंटर नगर निगम की परिसीमा में आते हैं, इसीलिए इन्हें हटाया जाएगा। रही काल भैरव के पूजन और भोग परंपरा की तो इसकी जिम्मेदारी मंदिर प्रबंध समिति की रहेगी। भगवान को लगाए जाने वाले मदिरा के भोग की व्यवस्था हमेशा की तरह मंदिर समिति करेगी।

कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने कालभैरव मंदिर की परंपराओं को देखते हुए शासन को एक पत्र भेजा था, जिसमें मंदिर के सामने के दो शराब काउंटर को यथावत रखने की बात कही गई थी, लेकिन अब कलेक्टर का कहना है कि क्योंकि यह शराब काउंटर नगर निगम की परिसीमा में आते हैं, इसलिए इन्हें यहां से हटाया जाएगा।

मंदिर समिति के पास रहेगा स्टॉक

धार्मिक नगरी उज्जैन में मंगलवार से नगर निगम की परीसीमा में लागू की जा रही शराबबंदी को लेकर जब एसपी प्रदीप शर्मा से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि काल भैरव मंदिर के सामने के शराब काउंटर नहीं रहेंगे।

मंदिर भोग पहले की तरह ही लगता रहेगा। इसके लिए मंदिर समिति के पास स्टॉक रहेगा। हां बाहर से आने वाले श्रद्धालु भगवान काल भैरव को किस प्रकार से मदिरा का भोग लगा पाएंगे इसको लेकर जल्द ही योजना बनाई जाएगी। बता दें कि धार्मिक नगरी उज्जैन में बाबा महाकाल के सेनापति काल भैरव को चढ़ाए जाने वाले मदिरा के भोग को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। वर्तमान में मंदिर के सामने बनी दो दुकानों से भगवान काल भैरव को चढ़ाए जाने वाली मदिरा श्रद्धालुओं को आसानी से उपलब्ध करवा दी जाती थी, लेकिन एक अप्रैल को शराब बंदी के बाद इन शराब काउंटर पर अब शराब नहीं मिलेगी। आज इन दोनों ही शराब काउंटर को यहां से हटाया जाएगा।

गजट नोटिफिकेशन में नहीं था जिक्र

एक अप्रैल से लागू की जाने वाली शराबबंदी को लेकर जारी हुए गजट नोटिफिकेशन की बात की जाए तो पता चलेगा कि इसमें मंदसौर, मुलताई, ओंकारेश्वर, ओरछा, मंडलेश्वर, मेहर, चित्रकूट, दतिया, पन्ना के साथ ही कल 17 धार्मिक शहरों में शराबबंदी करने की बात कही गई है। साथ ही उन दुकानों के बारे में भी बताया गया जिन्हें बंद किया जाना है

रोज एक हजार लोगों को काट रहे कुत्ते, अस्पतालों में लगी लाइनें

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। गर्मी का मौसम आते ही इंदौर में कुत्तों के काटने से रोज 1000 से अधिक केस आ रहे हैं। लाल अस्पताल समेत शहर के अन्य अस्पतालों में लगी लाइनें इंदौर में कुत्तों का आतंक बयां कर रही हैं। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं कुत्तों के सबसे अधिक शिकार बन रहे हैं। प्रशासन भी अब लगातार बढ़ रहे मामलों से परेशान है और इन्हें कम करने के लिए योजना बना रहा है। लाल अस्पताल के डॉक्टर आशुतोष शुक्ला के मुताबिक रोज 300 से 500 केस सिर्फ लाल अस्पताल में ही आ रहे हैं। जनवरी में लाल अस्पताल में

4535 केस आए और फरवरी में 4024 केस आए। वहीं शहर के अन्य अस्पतालों में भी कुत्तों के काटने से घायलों की बड़ी संख्या आ रही है। लाल अस्पताल के आंकड़ों को मिलाकर रोज शहर के सभी अस्पतालों में एक हजार से अधिक लोग कुत्तों के काटने से घायल होकर आ रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा इंदौर शहर में कुत्तों को नियंत्रित करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है, जो आगामी छह महीने तक चलेगा। इस अभियान के तहत नगर निगम वर्कशॉप में चार नई गाड़ियां तैयार की गई हैं, जिनका उपयोग कुत्तों को पकड़ने में किया जाएगा। कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा इस अभियान की घोषणा की गई है, जो शहर में कुत्तों के बढ़ते आतंक को नियंत्रित करने के लिए एक ठोस कदम साबित हो सकता है। हाल ही में कलेक्टर द्वारा भिक्षुकमुक्त अभियान भी सफलतापूर्वक चलाया गया था, और अब इस अभियान के तहत कुत्तों के आतंक से निजात पाने की कोशिश की जाएगी।

अभियान की रणनीति और उद्देश्य
कुत्तों के आतंक को समाप्त करने के लिए इस अभियान की रणनीति बनाई गई है कि बड़ी संख्या में कुत्तों को पकड़कर उनका ऑपरेशन किया जाएगा। इसके बाद शहरवासियों से अपील की जाएगी कि यदि कहीं भी बिना कान कटा हुआ कुत्ता नजर आए, तो उसकी सूचना दी जाए। सूचना देने वाले व्यक्ति को इनाम भी दिया जाएगा। यह योजना शहर में कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण पाने के साथ-साथ कुत्तों से उत्पन्न होने वाली परेशानियों को भी खत्म करने के उद्देश्य से बनाई गई है।

एनजीओ और पशु चिकित्सा विभाग का सहयोग
इस अभियान में नगर निगम द्वारा जिन एनजीओ के साथ कुत्तों के ऑपरेशन का एग्रीमेंट किया गया है, वे भी इस कार्य में सक्रिय रूप से योगदान देंगे। इसके अलावा, शासन के पशु चिकित्सा विभाग के सात चिकित्सकों ने भी इस अभियान में सहयोग देने का निर्णय लिया है। यह पहल अभियान की सफलता में अहम भूमिका निभाएगी, क्योंकि चिकित्सकों के योगदान से ऑपरेशन की प्रक्रिया को सही तरीके से और जल्दी पूरा किया जा सकेगा।

नई गाड़ियों का निर्माण और अभियान की शुरूआत
अभियान की तैयारी के तहत कलेक्टर ने नगर निगम वर्कशॉप के प्रभारी मनीष पांडे को कुत्ता पकड़ने के लिए चार नई गाड़ियों का निर्माण करने के निर्देश दिए थे। इन गाड़ियों के बनकर तैयार होने के बाद अब कुल छह गाड़ियां हो गई हैं, जिनका उपयोग कुत्तों को पकड़ने में किया जाएगा। इन गाड़ियों की मदद से अभियान को और भी सटीकता से चलाया जा सकेगा। उम्मीद की जा रही है कि अगले दो सप्ताह में यह अभियान पूरी तरह से शुरू हो जाएगा।

रणजीत हनुमान मंदिर के पास दुकान में लगी आग , ढाई घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। रविवार रात करीब 2 बजे इंदौर के रणजीत हनुमान मंदिर के पास स्थित एक दुकान में भीषण आग लग गई। आग लगने पर, ऊपर रहने वाले परिवार को धुएं के निकलने की जानकारी हुई और वे नीचे आकर किरायेदार को सूचित किया। हालांकि, तब तक आग पूरी तरह से विकराल रूप धारण कर चुकी थी।
स्थानीय लोगों ने अपनी तरफ से आग बुझाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल पाई। आरोप है कि फायर ब्रिगेड की टीम करीब ढाई घंटे की देरी से मौके पर पहुंची, जिससे दुकान का पूरा सामान जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड के अनुसार, यह हादसा गुमाश्ता नगर स्थित जय जिनेंद्र ग्राफिक्स और गिफ्ट सेंटर में हुआ था। सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची और करीब 12,000 लीटर पानी डालकर आग पर काबू पाया। दुकान के मालिक, संतोष जैन उर्फ मामा ने बताया कि मकान मालिक ने उन्हें धुएं के बारे में सूचित किया था। जैसे ही शटर खोला, आग और धुएं की लपटों ने दुकान को पूरी तरह से घेर लिया। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने काफी समय तक आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन फायर ब्रिगेड की देरी के कारण दुकान का सारा सामान जलकर राख हो गया।
संतोष जैन के मुताबिक, दुकान का संचालन

उनके परिवार की एक महिला करती थी, और आग में उनका पूरा सामान जलकर खाक हो गया। उन्होंने यह भी कहा कि बार-बार फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया, लेकिन दमकल वाहन काफी देर से पहुंचे, जिससे बड़ा नुकसान हुआ। स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने के लिए पूरी कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। दुकान में प्रिंटिंग मशीन समेत कई महत्वपूर्ण वस्तुएं जल गईं। इस हादसे से परिवार को भारी नुकसान हुआ है।
स्कीम नंबर 140 में भी गुमटियों में आग
इसी तरह, रविवार रात करीब 3 बजे स्कीम नंबर 140 में भी गुमटियों में आग लगने की खबर मिली। दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और तीन से चार गुमटियों में लगी आग पर काबू पाया। हालांकि, रात के समय गुमटियों के मालिक मौके पर नहीं पहुंचे, जिसके बाद दमकल की टीम ने दो टैंकर पानी डालकर आग बुझाई और फिर वापस लौट गई। इस घटना ने भी स्थानीय लोगों को चिंता में डाल दिया, क्योंकि आग बुझाने में कोई खास मदद नहीं मिली।

सलमान खान को मिला हिंदू धर्म अपनाने का निमंत्रण

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। ईद के मौके पर फिल्म अभिनेता सलमान खान अपनी नई फिल्म सिकंदरको लेकर चर्चा में है। उनकी फिल्म एक बार फिर उनके प्रशंसकों के लिए उत्साह लेकर आई है। फिल्म रिलीज के साथ ही सलमान खान एक बार फिर विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं। ऐसा तो हो नहीं सकता कि चर्चा शुरू हो और विवाद न खड़ा हो। इस बार विवाद की वजह बनी है सलमान खान के हाथ में बंधी घड़ी। देशभर सलमान की घड़ी चर्चा का विषय बनी हुई है। इतना ही नहीं भोपाल से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी इस पर कड़ी टिप्पणी की है। वहीं अब इस घड़ी की वजह से सलमान खान को हिंदू धर्म अपनाने का निमंत्रण भी मिल गया है।दरअसल अभिनेता सलमान खान हर बार उनकी कोई फिल्म की रिलीज के दौरान किसी न किसी कारण से सुर्खियों में आ जाते हैं। ताजा मामला उनके हाथ में बंधी अयोध्या से जुड़ी घड़ी को लेकर है। उनके हाथ पहनी गई घड़ी राम मंदिर का चित्रण करती है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोग अपने अपने विचार लिख रहे हैं। इस बीच मध्य प्रदेश के इंदौर के महामंडलेश्वर श्री राम गोपाल दास जी महाराज ने सलमान को हिंदू धर्म अपनाने का निमंत्रण दिया है। महामंडलेश्वर ने कहा कि अगर वो हिंदू धर्म अपनाते हैं तो राजवाड़ा में उनके सम्मान में भव्य कार्यक्रम रखा जाएगा। बता दें कि सलमान खान का जन्म इंदौर में हुआ है, उनका इंदौर से काफी गहरा नाता है। मीडिया से बातचीत करते हुए महामंडलेश्वर राम गोपाल दास ने कहा कि सलमान खान इंदौर के है। अगर वो हिंदू धर्म अपनाते हैं तो राजवाड़े पर श्री रामचंद्र जी के फोटो के सामने उनका स्वागत किया जाएगा। उनकी अगुवाई में एक बड़ा आयोजन भी किया जाएगा। आप आइए हिंदू धर्म स्वीकार कीजिए, सनातनी बनिए। अभी तो हाथ में घड़ी पहनी है, हम गले में भी राम नाम का दुपट्टा ओढ़ाएंगे। वहीं दूसरी ओर इस घड़ी की वजह से सलमान खान की ऑल इंडिया मुस्लिम जमात ने आलोचना की है। राम मंदिर की तस्वीर वाली एक घड़ी पहनने पर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने सलमान को शरियत का गुनहगार बताया है। बता दें कि सलमान की ये घड़ी काफी महंगी है, जिसकी कीमत लगभग 34 लाख है। इस घड़ी के दुनियाभर में सिर्फ 49 पीस हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू, नए तालाब बनाए जाएंगे

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर जिले में आगामी तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जायेगा। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नए तालाब बनाये जायेंगे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुंओं का जीर्णोद्धार कराया जायेगा। साथ ही सघन वृक्षारोपण भी होगा। इसके लिए जिले में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। यह अभियान आगामी 30 जून तक सतत चलेगा।कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि इस अभियान को सभी के सहयोग से जन आंदोलन के रूप में चलाया जायेगा। अभियान में जल संरक्षण के साथ ही वृक्षारोपण पर भी विशेष ध्यान दिया जायेगा। अभियान के तहत शुरूआत में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्त्रोतों तथा देवालयों में जल संरक्षण के कार्य किये जायेंगे। इस अभियान में जल स्त्रोतों और देवालयों की सफाई की योजना बनाई जाएगी। यह संतों, जन प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय और सरकार के संयुक्त प्रयास से संचालित होगा, जिसमें मशीन, सामग्री व श्रम का समुचित नियोजन किया जाएगा । कार्य पूर्ण होने पर वरुण पूजन और जल अभिषेक होगा तथा रखरखाव की जिम्मेदारी स्थानीय समुदायों को दी जाएगी।
जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने बताया कि अभियान के पहले दिन आज ग्रामीणों के सहयोग से विभिन्न ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर जिला पंचायत के माध्यम से जल संरक्षण संबंधी विभिन्न कार्यों की शुरूआत की गई। आज जिले के महू जनपद पंचायत के ग्राम जामबुजुर्ग में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें तालाब निर्माण कार्य की शुरूआत की गयी। इसी तरह गांव में वर्षा जल को सहजने के लिये बोल्डर चेकडेम के निर्माण भी प्रारंभ किये गये। इसी प्रकार रामपुरिया ग्राम में भी ग्रामीणों के सहयोग से चेकडेम निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया। अन्य ग्राम पंचायतों में भी कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी प्रकार इंदौर जनपद के ग्राम झलारिया में तालाब की साफ-सफाई का काम हाथ में लिया गया। इसी जनपद पंचायत के ग्राम खुडैल खुर्द में भी तालाब की सफाई के कार्य की शुरूआत की गई।

इंदौर में लगे बिजली के 5 लाख से ज्यादा स्मार्ट मीटर

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली स्मार्ट मीटर परियोजना का कार्य निरंतर जारी है। इस परियोजना का उद्देश्य बिजली खपत की पारदर्शिता को बढ़ाना और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा प्रदान करना है। इंदौर शहर में स्मार्ट मीटर की स्थापना का आंकड़ा अब पांच लाख को पार कर चुका है। इस परियोजना से बिजली कंपनी और उपभोक्ताओं के बीच बेहतर संवाद और समझ स्थापित हो रही है, जिससे बिजली खपत पर नियंत्रण और निगरानी संभव हो पा रही है।स्मार्ट मीटर सेल के साथ-साथ विभिन्न जिलों की टीम भी स्मार्ट मीटर परियोजना का संचालन कर रही है। इन टीमों का मुख्य उद्देश्य मीटर स्थापना की गुणवत्ता सुनिश्चित करना, सही रीडिंग लेना, डेटा कलेक्शन करना और त्रुटिरहित बिलिंग सुनिश्चित करना है। इन कार्यों के सफल संचालन से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं मिल रही हैं और स्मार्ट मीटरिंग का कार्य तेजी से जारी है। इंदौर शहर में 5,05,000 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं, जो मध्य प्रदेश के किसी भी शहर में सबसे अधिक हैं।
इंदौर शहर के बाद, मध्यप्रदेश बिजली कंपनी ने अन्य जिलों में भी स्मार्ट मीटर की स्थापना की है। उज्जैन जिले में 1.12 लाख और रतलाम जिले में 1.10 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। इसके अलावा, अन्य जिलों में 10 हजार से लेकर 55 हजार तक स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। इस प्रकार, कंपनी क्षेत्र में अब तक 11.46 लाख स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं, जो इस परियोजना की सफलता को दशार्ता है। स्मार्ट मीटर परियोजना के तहत मीटर की स्थापना लगातार तेज गति से की जा रही है।
स्मार्ट मीटर का सबसे बड़ा फायदा यह है कि बिजली कंपनी को घर-घर जाकर मीटर रीडिंग लेने के लिए लाइन स्टाफ की आवश्यकता नहीं होती है। स्मार्ट मीटर के जरिए कंट्रोल रूम पर ऑटोमेटिक मीटर रीडिंग होती है, जिससे कंपनी का समय और संसाधन बचता है। इसके अलावा, उपभोक्ताओं को भी यह लाभ होता है कि वे अपनी बिजली खपत को सीधे अपने मोबाइल पर देख सकते हैं, जिससे उन्हें अपनी खपत पर अधिक नियंत्रण मिलता है और वे समय पर बिल का भुगतान कर सकते हैं।

इंदौर को मिलेंगी नई उड़ानें, समर सीजन हुआ लागू

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर शहर को अब नई उड़ानें मिलना शुरू हो जाएंगी। 31 मार्च से इंदौर के देवी अहिल्या बाई एयरपोर्ट पर समर सीजन लागू हो गया है। ग्रीष्मकाल में स्कूल, कॉलेजों की छुट्टियां होती है और काफी लोग घूमने निकल जाते है। इसे देखने हुए एयरलाइंस कंपनियों ने कुछ नई उड़ानें शुरू करने का फैसला लिया है।इंदौर से शुरू होने वाली दो उड़ाने तो रायपुर और जबलपुर के लिए है, लेकिन तीसरी उड़ान पुणे के लिए होगी। इंदौर में फिलहाल 100 से ज्यादा उड़ानों का संचालन हो रहा है। मुंबई, दिल्ली, जयपुर, चेन्नई, गोवा, बेलागावी, अहमदाबाद समेत कई उड़ानें शामिल है। जिन तीन शहरों के लिए उड़ानें शुरू हुई है, वह पहले से इंदौर से कनेक्ट है। इंदौर-रायपुर की उड़ान का फायदा विशाखापट्टनम तक जाने वाले यात्रियों को भी मिलेगा। रायपुर में 20 मिनट रुकने के बाद वही विमान विशाखापट्टनम तक जाएगा। यह उड़ान सोमवार से शुरू हो गई। सुबह 6.35 बजे विमान ने इंदौर एयरपोर्ट से उड़ान भर ली। छुट्टियों में कई लोग गोवा भी जाते है। इसे देखते हुए इंदौर से नार्थ गोवा के लिए भी एक उड़ान होगी। यह उड़ान 15 अप्रैल से शुरू होगी। इंदौर से पहले साउथ गोवा की कनेक्टिविटी भी है। इंदौर में समर सीजन में और भी नई उड़ानें मिल सकती थी, लेकिन एयरपोर्ट में रनवे के काम शुरू होने के कारण रात 12 बजे से सुबह छह बजे तक एयरपोर्ट बंद रहते है। इस कारण इंदौर में विमानों की पार्किंग नहीं हो पा रही है। पार्किंग होने से सुबह की उड़ानों का फायदा मिलता है। इसके अलावा 15 से ज्यादा उड़ानों का समय भी बदला गया है।

अवैध लकड़ी ले जा रहे लोगों ने वनरक्षक को पीटा

इंदौर। इंदौर के चंदन नगर में एक वनरक्षक के साथ कार्रवाई के दौरान अवैध लकड़ी भरकर ले जा रहे कुछ लोगों ने मारपीट की। मामले में वनरक्षक ने लिखित शिकायत चंदन नगर पुलिस थाने में की है। 5 लोगों पर केस दर्ज कर लिया है। चंदन नगर पुलिस ने वनरक्षक जुनैद अली कादरी निवासी अहिल्या पल्टन की शिकायत पर राजू सेठ, उसके बेटे संदीप, सुमित, शिवा मंजे और रानू पाल पर सिरपुर धार रोड पर वन मंडल की कार्रवाई रोकने और मारपीट करने का केस दर्ज किया है। जुनैद अली ने अपनी शिकायत में बताया कि अवैध वन लकड़ी की तस्करी को लेकर गश्ती दल इंदौर धार रोड पर खड़ा था। जिसमें ट्रक (एमपी09-जीएच1270) को रोका गया। इसमें लकड़ी के गुटके भरे हुए थे। जिसमें 20 से 30 क्विंटल के वैध दस्तावेज मिले। इस दौरान जब पंचनामा बनाया जा रहा था तब राजू सेठ उसके बेटे करीब दो दर्जन से अधिक लोगों के साथ वहां पहुंचे और धक्का-मुक्की करते हुए मारपीट करने लगे। इस दौरान लकड़ी ले जा रहे आरोपी को गाड़ी सहित भगा दिया। घटना के बाद तुरंत मामले में जुनैद ने वरिष्ठ अफसरों को मामले की जानकारी दी।

भारत विकास परिषद दायित्व ग्रहण समारोह संपन्न

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। भारत विकास परिषद एक स्वैच्छिक संगठन है, जिसमें सभी क्षेत्रों के नागरिक देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को बढ़ावा देने और स्वस्थ-समर्थ-संस्कारित भारत अर्थात शारीरिक, मानसिक, शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ भारत के निर्माण के माध्यम से मानव प्रयास के सभी क्षेत्रों में हमारे देश के विकास और वृद्धि के लिए काम करने के लिए शामिल होते हैं। भारत विकास परिषद की स्थापना 1963 में हुई थी, जब देश में सामाजिक और आर्थिक विकास की आवश्यकता महसूस की गई थी। संगठन का मुख्य उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों में सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना था।
भारत विकास परिषद के कार्यों में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, और आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों में काम करना शामिल है। संगठन ने देश के विभिन्न हिस्सों में कई परियोजनाएं शुरू की हैं, जिनमें स्कूलों और अस्पतालों का निर्माण, महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करना, और किसानों के लिए कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना शामिल है। आज, भारत विकास परिषद देश के सबसे बड़े और सबसे प्रभावशाली सामाजिक संगठनों में से एक है। आगामी सत्र 2025-26 के लिए भारत विकास परिषद अहिल्या नगरी शाखा, इंदौर, की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्यों का दायित्व ग्रहण जाल सभागृह में एक गरिमामय समारोह में लवलीन फाउंडेशन के प्रमुख और जीवन में आनंद पूर्वक रहने (हैप्पीनेस) के बारे में प्रेरक उद्बोधन देने वाले (मोटिवेशनल वक्ता) गुरमीत सिंह नारंग के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। विशेष अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष वीरेंद्र जैन ने की। निवृत्तमान अध्यक्ष संजय सूर्यवंशी और सचिव भरत नागर ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए सीमा माहेश्वरी अध्यक्ष और प्रदीप धनोतिया सचिव मनोनीत हुए हैं। इनका साथ देने के लिए उपाध्यक्ष राकेश राठी एवं अजय शर्मा के साथ सह सचिव गौरव दरक कोषाध्यक्ष जितेंद्र राठी और प्रचार मंत्री की भूमिका में राजकुमार जैन रहेंगे। कार्यकारिणी में बृजेश नीमा, आशीष गर्ग, गिरिराज गुप्ता, धर्मेंद्र जैन, विपिन जैन, श्रीमती अनीता भंडारी, राजेंद्र आर्य, विवेक गौड़, प्रशांत वास्थव और सोनल बिसानी रहेंगे। संपर्क प्रमुख का दायित्व इस वर्ष राजेश भंडारी निभायेंगे। महिला संकाय प्रमुख श्रीमती सुनीता गुप्ता और उप प्रमुख श्रीमती रश्मि केवड़ा रहेंगी। परिषद द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सेवा गतिविधियों के प्रकल्पों में राजकुमार साबू चिकित्सा, किशोर कोठारी पर्यावरण, संजय सूर्यवंशी शिक्षा, प्रफुल्ल जटाले संस्कार, नीरज अग्रवाल जल सेवा और अजय जैन मानव सेवा प्रकल्प का दायित्व निर्वहन करेंगे। दायित्व ग्रहण समारोह की विधिवत शुरुआत प्रीति धनोते द्वारा वंदे मातरम की प्रस्तुति द्वारा की गई। अतिथि स्वागत - गुरमीत सिंह नारंग जी का स्वागत मनोज गुप्ता, राजेश दंडोतिया जी का स्वागत संदीप नागर एवं वीरेंद्र जी जैन का स्वागत दिलिप सोनी द्वारा श्रीफल और रूमाल से किया गया। सभा को संबोधित करते हुए वीरेंद्र जैन ने कहा कि हम सब अपने आप में एक सशक्त संगठन हैं। शपथ एक संकल्प है, एक विचार है, एक भाव है जिसको लेकर व्यक्ति संगठन से और उससे आगे बढ़कर राष्ट्र से जुड़ जाता है। विशेष अतिथि राजेश दंडोतिया ने सायबर अपराधों के प्रकार और अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे आधुनिकतम हथकंडों के बारे में जानकारी देते हुए इनसे बचने के उपायों के बारे में भी बताया। मुख्य अतिथि नारंग ने हैप्पीनेस के बारे में अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि प्रसन्न रहना हमारे अपने हाथों में होता है, जीवन में आनंद बरकरार रखने के लिए हमें सपने भी खुशीयों के देखने चाहिए। नव निर्वाचित कार्यकारिणी के समस्त सदस्यों को दायित्व ग्रहण की शपथ कार्यक्रम अध्यक्ष और शपथ अधिकारी भारत विकास परिषद के प्रांतीय महासचिव वीरेंद्र जैन द्वारा दिलवाई गई। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर अतिथियों और उपस्थित समस्त परिवारों का आभार प्रदर्शन प्रदीप धनोतिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन ज्योति जैन द्वारा किया गया।

ईद उल फितर पर नमाज अदा कर अमन-चैन,खुशहाली की मांगी दुआ

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी में आज ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जा रहा है। सुबह से ही लोग नमाज पढ़ने ईदगाह और मस्जिदों में पहुंचे। भोपाल की ताज उल मस्जिद, जामा मस्जिद और मोती मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा कर प्रदेश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। भोपाल में ईदगाह पर होने वाली मुख्य नमाज सुबह 7:30 बजे अदा की गई। हर साल की तरह इस बार भी नमाज की सूचना तोप से गोले दागकर दी गई। नमाज-ए-खास से पहले शहर काजी मुश्ताक अली नदवी ने तकरीर में नौजवानों से कहा कि कैरेक्टर और क्वालिटी पैदा करो। नशे से दूरी रखो, हलाल कमाई पर ध्यान दो। हलाल और हराम में फर्क करना सीखो। शहर काजी ने कहा कि अपने रोजमर्रा के खर्चों को कम करो लेकिन बच्चों की अच्छी तालीम पर खास ध्यान दो।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अलर्ट पर

ईद के त्योहार के साथ शहर में नवरात्रि का त्योहार भी धूमधाम से मनाया जा रहा है। दोनों त्योहार एक साथ होने से पुलिस भी अलर्ट मोड में आ गई है। हालांकि भोपाल शहर अपनी गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता है। यहां एक-दूसरे धर्म के त्योहार पर सांस्कृतिक एकता की मिसाल पेश होती आई है। होली के त्योहार पर भी सभी धर्मों में एकता दिखाई दी थी। हालांकि पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी के मुताबिक भोपाल में 1500 से ज्यादा जवानों को तैनात किया गया है। शहर की सभी बड़ी मस्जिदों के आसपास पुलिस व्यवस्था, पार्किंग आदि की व्यवस्था की गई है। उधर ड्रोन और सीसीटीवी के माध्यम से लगातार निगरानी की जाएगी।

काली पट्टी बांधकर वक्फ अमेंडमेंट बिल का विरोध

राजधानी भोपाल के ईदगाह और अन्य मस्जिदों में नमाज पढ़ने पहुंचे मुस्लिम धर्मावलंबी बांह पर काली पट्टी बांधकर पहुंचे। वे वक्फ अमेंडमेंट बिल का विरोध कर रहे हैं। दरअसल ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मुस्लिम समुदाय से काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण और मौन विरोध प्रदर्शन की अपील की थी। बोर्ड ने कहा था कि अगर ये बिल पारित हो गया तो मस्जिद, दरगाह, मदरसे, कब्रिस्तान और कई अन्य संस्थान उनके हाथ से चले जाएंगे।शहर में सोमवार को ईदगाह और मोती मस्जिद में ईद की नमाज के बाद युवाओं ने फिलिस्तीन के समर्थन में पोस्टर लहराए। युवाओं ने *I Stand With Palestine* जैसे संदेश वाले पोस्टर हाथों में लेकर दिखाए। इस पर मंत्री विश्वास सारंग ने प्रतिक्रिया दी। मंत्री ने कहा कि फिरकापरस्त विचारधारा को उन्माद फैलाने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रियंका गांधी द्वारा संसद में फिलीस्तीन के बैग को लेकर दिए गए बयान पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष के नेता तुष्टिकरण की राजनीति के लिए गिरने की हद तक जा रहे हैं। इसके अलावा, वक्फ बोर्ड बिल के विरोध में मुसलमानों ने काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी। इसको लेकर भी मंत्री विश्वास सारंग ने प्रतिक्रिया दी। मंत्री ने कहा कि जब पाकिस्तान में आतंकवादी हमले करता हैं, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार होता है और मुंबई में आतंकवादी हमले होते हैं, तब किसी ने काली पट्टी नहीं बांधी। कश्मीर में पंडितों पर हुए अत्याचार के समय भी पट्टी नहीं बांधी गई। सारंग ने कहा कि बिना वक्फ बोर्ड बिल को पढ़े इसका विरोध करना गलत है। उन्होंने यह भी कहा कि वक्फ से किसी गरीब मुसलमान को कोई लाभ नहीं मिला, बल्कि यह केवल बेजा कब्जा करने वाले अमीर मुस्लिम नेताओं का फायदा हुआ है।

सारंग ने यह भी कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार होते हैं, लेकिन प्रियंका गांधी को उन हिंदुओं के समर्थन में कोई पहल करने का समय नहीं मिलता। उन्होंने चेतावनी दी कि ईद के मौके पर इस तरह के बैनर लगाकर अराजकता फैलाने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सारंग ने देशवासियों से कहा कि जो लोग हिंदुस्तान में रहते हुए फिरकापरस्ती की मानसिकता रखते हैं, उन्हें यह समझना चाहिए कि अगर वे हिंदुस्तान की धरती पर हैं, तो उन्हें हिंदुस्तान की सोच को समझना होगा।

झूठा केस बनाने की धमकी देकर मांगे रुपये महिला एसआई और हवलदार पर एफआईआर

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। सूखी सेवनिया थाने में तैनात महिला एसआई स्वाती दुबे और हवलदार मुकेश कटारिया पर लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है। दोनों पुलिसकर्मी एक ईंट भट्ठा मालिक को झूठे केस में फंसाने का डर दिखाकर 50 हजार रुपये मांग रहे थे। सूखी सेवनिया में ईंटों का भट्ठा चलाने वाले मोहम्मद फारुख के यहां नन्नी बाई नाम की महिला काम करती है। पिछले दिनों उसका 14 वर्षीय नाती लापता हो गया, तो उसकी गुमशुदगी सूखीसेवनिया थाने में दर्ज कराई गई। बाद में वह बचा छतरपुर जिले में सकुशल मिल गया।

उसी केस के नाम पर दोनों पुलिस वाले भट्ठा मालिक को परेशान करने लगे थे। लोकायुक्त की निरीक्षक उमा कुशवाह ने बताया कि मोहम्मद फारूक ने इसकी शिकायत की थी। उसमें बताया गया कि सूखी सेवनिया थाने की एसआई स्वाती दुबे और प्रधान आरक्षक उसे बच्चे के बरामद होने के बाद लगातार फोन कर उससे 50 हजार रुपये मांग रहे थे।

उनका कहना था कि रुपये नहीं दिए तो उनके खिलाफ ही अपराध दर्ज किया जाएगा। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए लोकायुक्त पुलिस ने उनको टेप उपलब्ध कराया। इसकी मदद से दोनों पुलिस कर्मियों की बातचीत भी रिकार्ड होती रही। बाद में 10 हजार रुपये में सौदा तय हो गया था। 28 मार्च को लोकायुक्त पुलिस ने दोनों पुलिस कर्मियों को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ने के लिए जाल बिछाया था। उनको एक तय स्थान पर बुलाया गया, वे आए लेकिन वहां ट्रैप का संदेह होने पर वे भाग निकले।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा में एफआईआर

पुलिस सूत्रों का कहना है कि उनको लोकायुक्त कार्रवाई की सूचना मिल गई थी। बाद में लोकायुक्त पुलिस ने उनके खिलाफ मिले साक्ष्यों के आधार पर एसआई स्वाती दुबे और प्रधान आरक्षक मुकेश कटारिया पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज किया है।

सदाकाल गुजरात कार्यक्रम में गुजरात सीएम का भाषण शुरू होते ही गुल हुई बत्ती, बोले-

अपने हाथ में क्या है, ये ऐसे समय में पता चलता है

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के संबोधन के दौरान बिजली गुल हो गई। वे सोमवार को रवींद्र भवन में सदाकाल गुजरात कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भूपेंद्र पटेल ने जैसे ही अपने संबोधन की शुरुआत की वैसे ही बिजली गुल हो गई। इसके बाद एक मिनट में बिजली जैसे ही वापस आई तो उन्होंने माइक चेक करने के बाद कहा- अपने हाथ में क्या है, ये ऐसे समय में पता चलता है। उन्होंने कहा कि गुजरातियों की एक कहावत है कि जहां एक गुजराती वहां सदाकाल गुजरात। ये साबित हो चुका है। स्वराज के लिए गुजरात के सपूत महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल की जोड़ी ने हमें स्वराय दिलाया। इसके बाद अपने गुजरात की जोड़ी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी और अमित भाई ने सुराज दिया। भूपेंद्र सिंह ने कहा- गुजरातियों का स्वर्ण काल चल रहा है। गुजरातियों का मान-सम्मान बढ़ता जा रहा है। एक समय वो था जब गुजरात में न बिजली थी पानी के लिए ट्रेन चलानी पड़ी थी। लेकिन, एक नेतृत्व आया जो कितना बड़ा बदलाव आया। ये नरेंद्र मोदी ने दुनिया को बता दिया। गुजरात में ये परिस्थिति थी मोदी जी गुजरात के मुख्यमंत्री नहीं थे उस समय लोग कहते थे कि शाम के समय बिजली मिल जाए तो आनंद आ जाए। उस स्थिति के बाद जब मोदी जी जब मुख्यमंत्री बने तो गुजरात देश का ग्रोथ इंजन बना। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश के रायपाल मंगू भाई पटेल ने की। जबकि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मंत्री बोले- आपके चेहरे पर गुजराती पन की छलक

गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी बोले- आपने सालों पहले गुजरात छोड़ा लेकिन, आज भी चेहरे पर गुजराती पन छलक रहा है। गुजरात सरकार यह कार्यक्रम देश के सभी रायों में कर रही है। जहां गुजराती समाज के लोग रहते हैं। आप सब लोग गुजरात के ब्रांड एंबेसडर हैं। कोई 20 साल पहले कोई 50 साल पहले गुजरात से भोपाल और मप्र में आकर बस गए। लेकिन, आप गुजरात की बोली, संस्कृति के आधार पर यहां मेहनत करके अपने क्षेत्र में सफलता हासिल की है। हम आपका आभार मानते हैं।आपने इतने साल पहले गुजरात छोड़ा लेकिन आज भी आपकी बोली, भावना और चेहरे पर गुजराती पन छलक रहा है। आपको आने वाली पीढ़ी ये विचार समझे।

वीडी शर्मा बोले- एमपी के हीरे को संवारने और चमकाने का काम गुजरात में होता है। एशिया का सबसे अच्छा डायमंड मेरे क्षेत्र पन्ना में निकलता है। उसकी फिनिशिंग-पॉलिसिंग सूरत में होती है। मैं ऐसा मानता हूं कि मप्र के विकास में और खासकर आदिवासी क्षेत्र के विकास में अभी तक किसी ने सबसे यादा काम किया है तो रायपाल मंगू भाई पटेल ने दिया है। वीडी शर्मा ने कहा- हमारे यहां हुई आईएम फ्यूचर भाजपा कार्यशाला में 25 से 30 प्रतिशत प्रोफेशनल्स शामिल थे। इसलिए गुजराती समाज की मप्र में बहुत भूमिका है। मप्र की ईकोनॉमी, बिजनेस और अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय होने से बड़ा योगदान है। गुजरात से मप्र का एक संबंध और है सूरत में डायमंड का जो काम करते हैं। तो एशिया में सबसे अच्छा डायमंड मेरे खजुराहो संसदीय क्षेत्र के पन्ना से निकलकर जाता है।

यहां से रॉ मटेरियल जाता है उसकी पॉलिशिंग और फिनिशिंग करके स्वरूप देने का काम गुजरात करता है। मप्र के हीरे को संवारने और चमकाने का काम सूरत में होता है तो आप सब भाई बहन मप्र में भी हम सबको हीरो की तरह चमकाने का काम करते हैं। गुजरात राय बिन-निवासी गुजराती फाउंडेशन द्वारा भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में गुजराती फूड फेस्टिवल का भी आयोजन किया गया था। इस मौके पर गायिका भूमि त्रिवेदी की प्रस्तुति और गुजरात के प्रमुख मंदिरों के वर्चुअल दर्शन की भी व्यवस्था की गई थी।

म्यूजिक एप का सब्सक्रिप्शन बंद कराने में रिटायर्ड अधिकारी से ठगी

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी में रहने वाले भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के एक रिटायर्ड अधिकारी के बैंक खातों से एक लाख 65 हजार रुपये निकाल लिए गए हैं। ठगी का अहसास होने के बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत की और महीने भर की जांच के बाद प्रकरण दर्ज हो सका। जालसाज ने जिस मोबाइल नंबर से बात करके बैंक खाते से रकम ट्रांसफर की है, वह मोबाइल नंबर पश्चिम बंगाल में सक्रिय है।

कमला नगर पुलिस के अनुसार विजय कुमार फरगे भेल के रिटायर्ड अधिकारी हैं और संजय काम्प्लेक्स में रहते हैं। कुछ माह पहले उन्होंने अनजाने में अपने मोबाइल में एक म्यूजिक एप का सब्सक्रिप्शन कर लिया, जिस कारण उनके बैंक खाते से हर माह निश्चित राशि कट रही थी। महीने भर पहले वे बैंक पहुंचे और जानकारी ली तो बैंक के अधिकारियों ने बताया कि म्यूजिक एप का प्रतिमाह चार्ज बैंक से अपने आप डिडक्ट हो रहा है।

म्यूजिक ऐप बंद कराने पर ठगी का हुए शिकार

फरियादी ने पुलिस को बताया कि वे म्यूजिक एप का सब्सक्रिप्शन बंद कराने के लिए मोबाइल में इंस्टाल एप में ऑप्शन तलाश किया, लेकिन नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने गूगल से उक्त ऐप को बंद कराने एक नंबर तलाश किया, जो पश्चिम बंगाल से संचालित था और जालसाज का था। उक्त जालसाज ने म्यूजिक एप बंद करने का झांसा देकर फरियादी के मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड करा दी और उनके मोबाइल का पूरा एक्सेस प्राप्त कर लिया। इसके बाद जालसाज ने फरियादी फरगे के खाते से 88 हजार और उनकी पत्नी के बैंक खाते से 77 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए थे। पुलिस प्रकरण दर्ज कर जालसाज के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

भोपाल में एम्स में हुआ 8वां किडनी ट्रांसप्लांटःडेढ़ साल से डायलिसिस पर था मरीज

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। एम्स भोपाल ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आठवां सफल किडनी प्रत्यारोपण कर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 25 वर्षीय मरीज पिछले तीन वर्षों से किडनी रोग से ग्रसित था और डेढ़ साल से डायलिसिस पर था। इस ऑपरेशन में मरीज के 31 वर्षीय बड़े भाई ने अपनी एक किडनी दान कर भाई को जीवनदान दिया। सर्जरी में उन्नत लैप्रोस्कोपिक तकनीक का उपयोग किया गया, जिससे डोनर को न्यूनतम दर्द हुआ और उनकी रिकवरी भी तेज रही। अगले ही दिन वे चलने-फिरने में सक्षम हो गए। यह प्रत्यारोपण आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त किया गया, जिससे मरीज को आर्थिक बोझ उठाने की जरूरत नहीं पड़ी। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा- यह हमारे चिकित्सा विशेषज्ञों की मेहनत और टीम वर्क का परिणाम है। यह दिखाता है कि हम अपने मरीजों को सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस प्रत्यारोपण सर्जरी को एम्स भोपाल के नेफ्रोलॉजी विभाग के डॉ. महेंद्र अटलानी और यूरोलॉजी विभाग के डॉ. देवाशीष कौशल, डॉ. कुमार माधवन, डॉ. केतन मेहरा और डॉ. निकिता श्रीवास्तव की टीम ने अंजाम दिया। एनेस्थीसिया टीम में डॉ. वैशाली वेंडेकर, डॉ. सुनैना तेजपाल कर्ण और डॉ. शिखा जैन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उड़िया बस्ती में लगी आग, 2 घंटे देर से पहुंची दमकल, मंत्री सारंग ने निगम कमिश्नर को लगाई फटकार

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी की छोला स्थित उड़िया बस्ती में सोमवार दोपहर भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। मौके पर मौजूद रहवासियों ने मंत्री सारंग को बताया कि आग लगने के बाद वे लगातार नगर निगम अधिकारियों और दमकल विभाग से संपर्क करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन कोई त्वरित सहायता नहीं मिली। रहवासियों के मुताबिक, आग लगने के तुरंत बाद उन्होंने फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन दमकल की गाड़ियां दो घंटे की देरी से मौके पर पहुंचीं। इस दौरान स्थानीय लोगों ने स्वयं आग बुझाने का प्रयास किया। रहवासियों की शिकायत पर मंत्री सारंग ने कड़ी नाराजगी जताई और मौके पर ही नगर निगम कमिश्नर को फोन कर फटकार लगाई। उन्होंने सख्त लहजे में कहा, जिम्मेदार पद पर होकर आप फोन क्यों नहीं उठाते हो? मंत्री सारंग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे आपातकालीन हालात में तुरंत कार्रवाई की जाए और फायर ब्रिगेड की सेवाओं को और दुरुस्त किया जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता दी जाएगी। रहवासियों के अनुसार, घटना की सूचना देने के बावजूद जब दो घंटे तक दमकल नहीं पहुंची, तो उन्होंने मंत्री सारंग को इसकी जानकारी दी।

मंत्री सारंग द्वारा फटकार लगाए जाने के बाद ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

आज से भोपाल के सरकारी अस्पतालों में सार्थक एप पर अटेंडेंस लगाना अनिवार्य

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। जिले में एक अप्रैल से सभी सरकारी अस्पतालों में सार्थक एप पर ऑनलाइन अटेंडेंस के आधार पर कर्मचारियों का वेतन तैयार किया जाएगा।

मध्य प्रदेश का भोपाल पहला जिला होगा जहां स्वास्थ्य विभाग अपने सभी अस्पतालों और कार्यालयों में कागज रहित उपस्थिति दर्ज करवाएगा। जिला प्रशासन ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। अप्रैल के पहले दिन से सार्थक एप पर अटेंडेंस लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। पर्यावरण की सुरक्षा और कागजों की बचत करने यह व्यवस्था बनाई गई है। इधर कर्मचारी इसका विरोध कर रहे हैं। कर्मचारी संगठनों का कहना है क इससे सिर्फ कर्मचारियों को परेशान करने का रास्ता निकाला गया है।

कर्मचारी बोले- केवल भोपाल में ही क्यों

समस्त स्वास्थ्य कर्मचारी अधिकारी संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह कौरव ने कहा है कि इस ऐप के माध्यम से कर्मचारियों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था केवल भोपाल जिलें में ही क्यों लागू की जा रही है। उन्होंने कहा है कि किसी भी जिले में सार्थक एप शुरू नही हुआ है लेकिन भोपाल में निरंतर दबाव बनाया जा रहा है। जिससे कर्मचारी स्वयं को डरा हुआ समझ रहे है, क्योंकि सार्थक एप लिए कोई संसाधन स्थाई नहीं है। कौरव ने बताया कि इसे लेकर स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल को ज्ञापन दिया गया है।

पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा देना उद्देश्य

अधिकारियों का कहना है कि कागज के उपयोग को कम कर पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा दिया जा सके, इसी उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत भोपाल के अस्पतालों और कार्यालयों में कागज आधारित उपस्थिति के स्थान पर सार्थक एप के माध्यम से अटेंडेंस मान्य की जाएगी। जिससे मैदानी कर्मचारियों और अधिकारियों को उपस्थिति दर्ज कराने हेतु मुख्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी। वे अपने कार्य स्थल से सीधे अपनी उपस्थिति दर्ज करवा सकेंगे। इससे कर्मचारी अपने कार्य स्थल पर अधिक समय तक कार्य कर सकेंगे। साथ ही मुख्यालय तक आने जाने में खर्च होने वाले ईंधन की भी बचत होगी।

सम्पादकीय

प्रदूषण नियंत्रण कोष के 858 करोड़ रुपए का सिर्फ 1 प्रतिशत खर्च

आज मानव समाज को परेशान करने वाली सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण प्रदूषण है। प्रदूषण के चार बुनियादी क्षेत्र हैं जल, भूमि, ध्वनि और वायु प्रदूषण। दुर्भाग्य से भारत में वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण की गंभीर स्थिति पिछले कई वर्षों से लगातार दुनियाभर में सुर्खियों में रही है। इस कटु सत्य के बीच एक संसदीय समिति की रिपोर्ट ने चिंता और बढ़ा दी है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पर्यावरण मंत्रालय ने वर्ष 2024-25 के लिए प्रदूषण नियंत्रण कोष के लिए आवंटित कुल 858 करोड़ रुपए का 1 प्रतिशत से भी कम हिस्सा खर्च किया है। यह चिंताजनक बात है। भारत के शहरों में वायु प्रदूषण की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। ऐसे में समिति की यह रिपोर्ट चौंका देने वाली है कि प्रदूषण नियंत्रण योजना के लिए आवंटित रकम का काफी कम इस्तेमाल हो पाया है।

पर्यावरण को आस-पास के वातावरण के रूप में समझा जा सकता है, जिसका हिस्सा सभी जीवित प्राणी और निर्जीव वस्तुएं हैं। पर्यावरण अन्य प्रणालियों से जुड़ सकता है और ऊर्जा और द्रव्यमान का आदान-प्रदान कर सकता है। चूंकि सभी प्राणियों का भरण-पोषण इस पर्यावरण पर निर्भर करता है, इसलिए इसका संतुलन बनाए रखना और उसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। आज मानव समाज को परेशान करने वाली सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण प्रदूषण है। प्रदूषण के चार बुनियादी क्षेत्र हैं जल, भूमि, ध्वनि और वायु प्रदूषण। दुर्भाग्य से भारत में वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण की गंभीर स्थिति पिछले कई वर्षों से लगातार दुनियाभर में सुर्खियों में रही है। इस कटु सत्य के बीच एक संसदीय समिति की रिपोर्ट ने चिंता और बढ़ा दी है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पर्यावरण मंत्रालय ने वर्ष 2024-25 के लिए प्रदूषण नियंत्रण कोष के लिए आवंटित कुल 858 करोड़ रुपए का 1 प्रतिशत से भी कम हिस्सा खर्च किया है। यह चिंताजनक बात है। भारत के शहरों में वायु प्रदूषण की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। ऐसे में समिति की यह रिपोर्ट चौंका देने वाली है कि प्रदूषण नियंत्रण योजना के लिए आवंटित रकम का काफी कम इस्तेमाल हो पाया है। पर्यावरण मंत्रालय को आवंटित कुल रकम में इस प्रदूषण नियंत्रण कोष का हिस्सा 27 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। व्यय में कमी का आधिकारिक कारण इस योजना को जारी रखने की मंजूरी मिलने में देरी को बताया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए गए हैं। चालू वित्त वर्ष अब समाप्त हो गया है। ऐसे में यह स्थिति प्रदूषण को लेकर लापरवाह रवैया एवं ठोस योजना के अभाव की तरफ इशारा कर रही है। भारत में वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण पर नजर रखने के लिए 2018 में प्रदूषण नियंत्रण योजना शुरू की गई थी और इसके लिए पूरी रकम सरकार ही उपलब्ध करा रही है। सरकार का राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) इस योजना का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। एनसीएपी ने वर्ष 2026 तक देश के 131 शहरों में हवा में पार्टिकुलेट मैटर (हानिकारक सूक्ष्म कण) या पीएम10 वर्ष 2019-20 के स्तर से 40 प्रतिशत कम करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2019-20 और 2025-26 के बीच इस योजना के लिए कुल 3,072 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि कई कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार है और आवश्यक अनुमति मिलते ही वे शुरू हो जाएंगे। फिलहाल तो संसदीय समिति या संसद को यह नहीं बताया गया है कि ऐसी योजना के लिए अनुमति समय रहते क्यों नहीं मिलती है, विशेषकर जब देश के शहरों में प्रदूषण गंभीर स्तरों तक पहुंच चुका है। वर्ष 2024 के लिए जारी विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट में भारत के प्रदर्शन में सुधार पर खुशी का इजहार किया गया है। इस रिपोर्ट में भारत तीसरे से पांचवें स्थान पर पहुंच गया है और पीएम 2.5 (स्वास्थ्य के लिए सर्वाधिक हानिकारक) का स्तर 54.5 से कम होकर 50.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रह गया है। हालांकि, यह अब भी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मानक 5-15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से काफी अधिक है। इस रिपोर्ट में भारत की स्थिति सुधरने के बावजूद दुनिया के 20 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में 13 भारत के ही हैं जिनमें राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली दूसरे स्थान पर है।

पीएम मोदी के आरएसएस मुख्यालय के दौरे के मायने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागपुर यात्रा के दौरान आरएसएस मुख्यालय स्थित हेडगेवार स्मृति मंदिर का दौरा कर नया इतिहास रच दिया क्योंकि संघ के 100 वर्षों के इतिहास में दूसरी बार देश का कोई प्रधानमंत्री राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय पहुंचा था। हम आपको याद दिला दें कि तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्ष 2000 में अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान नागपुर में संघ मुख्यालय का दौरा किया था। संयोग देखिये कि मोदी भी अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान ही संघ मुख्यालय पहुंचे। मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने आरएसएस के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागपुर यात्रा के दौरान आरएसएस मुख्यालय स्थित हेडगेवार स्मृति मंदिर का दौरा कर नया इतिहास रच दिया क्योंकि संघ के 100 वर्षों के इतिहास में दूसरी बार देश का कोई प्रधानमंत्री राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय पहुंचा था। हम आपको याद दिला दें कि तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्ष 2000 में अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान नागपुर में संघ मुख्यालय का दौरा किया था। संयोग देखिये कि मोदी भी अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान ही संघ मुख्यालय पहुंचे। मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने आरएसएस के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। वैसे कुल मिलाकर मोदी की इस यात्रा को भाजपा और आरएसएस द्वारा आपसी मतभेद दूर करने और एकजुट होने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से नागपुर में अपने संबोधन के दौरान आरएसएस की भरपूर प्रशंसा को अपने वैचारिक मार्गदर्शक के प्रति भाजपा के रुख में आए बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले साल लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि भाजपा उस समय से आगे बढ़ चुकी है जब उसे आरएसएस की जरूरत थी और अब वह 'सक्षम' है तथा अपने काम खुद करती है। नड्डा की इस टिप्पणी से संघ कार्यकर्ताओं में रोष उत्पन्न हो गया था और लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा और आरएसएस के बीच दूरी देखी गई थी जिसका नुकसान भाजपा को लोकसभा में बहुमत गंवा कर उठाना पड़ा था।

हालांकि लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद भाजपा ने संघ के साथ संबंधों में सुधार किया जिसके चलते पार्टी को हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में विधानसभा चुनावों में जोरदार जीत मिली थी।

दूसरी ओर, संघ और भाजपा के बीच मतभेदों को दोनों ही संगठनों के नेता नकारते हैं और कहते हैं कि ऐसी बातें वे ही लोग करते हैं जो भाजपा और संघ को नहीं समझते हैं। वैसे जानकारों का यह भी कहना है कि संघ को मुख्य आपत्ति इस बात पर थी कि भाजपा एक व्यक्ति केंद्रित पार्टी बनती जा रही है। हम आपको याद दिला दें कि साल 2014 के बाद 'मोदी ब्रांड राजनीति' के तहत भाजपा सारे चुनाव लड़ती रही है। लोकसभा चुनावों के बाद भाजपा ने अन्य नेताओं को भी आगे बढ़ाया है और आने वाले समय में दूसरी पंक्ति के कई और नेताओं को बड़ी भूमिकाएं मिलने जा रही हैं। वैसे, आरएसएस के शताब्दी समारोह और बेंगलुरु में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से पहले प्रधानमंत्री की नागपुर यात्रा इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि भाजपा जल्द ही अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करने वाली है। हालांकि हाल ही में संघ की ओर से स्पष्ट किया गया था कि उसके सभी आनुषांगिक संगठन अपने कार्यों के बारे में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेते हैं लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि साल 2009 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की करारी हार के बाद मोहन भागवत के हस्तक्षेप के बाद ही लालकृष्ण आडवाणी युग समाप्त हुआ था और मोदी आगे लाए गए थे। साल 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद मोहन भागवत की कुछ टिप्पणियों को पार्टी नेतृत्व और प्रधानमंत्री मोदी की सीधी आलोचना के रूप में भी देखा गया था। इसलिए ऐसा हो नहीं सकता कि भाजपा अपने नए अध्यक्ष के नाम पर बिना संघ प्रमुख से चर्चा किए बिना फैसला कर ले।

हम आपको यह भी बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्रियों और वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने पूर्व में सावधानी बरतते हुए सरकार और संघ के बीच अंतर सुनिश्चित किया लेकिन मोदी चूंकि खुद संघ के प्रचारक रहे हैं इसलिए वे संघ की तारीफ करने में नहीं चूकते। हाल ही में तीन बड़े मौके आए जब मोदी ने अपने जीवन को सही मार्गदर्शन देने के लिए संघ का आभार जताया और इस सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन की भरपूर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने नागपुर में भी आरएसएस को एक ऐसे संगठन के रूप में संदर्भित किया जिसने समर्पण और सेवा के उच्चतम सिद्धांतों को कायम रखा। साथ ही उन्होंने संघ की राष्ट्र निर्माण और विकास में रचनात्मक भूमिका को रेखांकित करके अपनी 2047 तक विकसित भारत की योजनाओं में संघ की भूमिका के महत्व को भी दर्शाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ मेले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए भी स्वयंसेवकों को श्रेय दिया था। इसके अलावा, हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस द्वारा की जाने वाली सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को भी हटा दिया गया था। यही नहीं, जिस तरह भाजपा के वरिष्ठ नेता गठबंधन सरकार होने के बावजूद अपने मूल एजेंडे में शामिल मुद्दों पर आगे बढ़ने की बात कर रहे हैं वह इस बात का संकेतक है कि आरएसएस के कुछ मुख्य एजेंडे भाजपा की राजनीति में फिर से सबसे आगे आ रहे हैं।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी ने संघ मुख्यालय के दौरे के साथ ही डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के पंचतीर्थों में से एक दीक्षाभूमि का भी दौरा कर राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश की। प्रधानमंत्री ने संघ मुख्यालय में दिए गए अपने संबोधन में भी बाबा साहेब को याद किया और भारतीय संविधान की भरपूर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने आरएसएस मुख्यालय में डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर का दौरा कर संघ के संस्थापकों को श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही वे दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। मोदी दीक्षाभूमि स्थित स्तूप के भीतर गए और वहां रखी आंबेडकर की अस्थियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मोदी ने जहां आरएसएस को भारत की अमर संस्कृति का 'वट वृक्ष' बताया वहीं उन्होंने दीक्षाभूमि की सामाजिक न्याय और दलितों को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में सराहना करते हुए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपनों के भारत को साकार करने के लिए और भी अधिक मेहनत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा कर सबका दिल जीत लिया। इस तरह मोदी ने नागपुर यात्रा से जो संदेश दिया है वह यह है कि भारतीय संविधान के दायरे में रह कर काम करते हुए अपने वैचारिक संगठन की विचारधारा को आगे बढ़ाते रहेंगे।

महंगाई की मार में पिसते आम लोग, सांसदों को 24% भत्ते और सुविधाओं की सौगात!

नई दिल्ली। देश में महंगाई लगातार आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ा रही है। पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, अनाज और दैनिक जरूरत की चीजों के दाम बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन सरकार से राहत की आस लगाए बैठे जनता को निराशा ही हाथ लग रही है। वहीं, सांसदों ने सर्वसम्मति से अपने वेतन और भत्तों में 24% की बढ़ोतरी कर ली है। संसद में इस प्रस्ताव पर किसी भी दल ने विरोध नहीं जताया, बल्कि सभी ने मेजें थपथपाकर अपनी सहमति जाहिर की। आम जनता जहां दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है, वहीं जनप्रतिनिधियों ने अपनी सुख-सुविधाओं में और इजाफा कर लिया।

गरीबी और बेरोजगारी की जमीनी हकीकत

गौरतलब है कि भारत में गरीबी रेखा के नीचे करीब 22 करोड़ लोग गुजर-बसर कर रहे हैं, जबकि बेरोजगारी की दर लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। देश में 8.2% लोग बेरोजगार हैं, और लाखों युवा नौकरी की तलाश में भटक रहे हैं।

महंगाई की मार झेल रही जनता को उम्मीद थी कि सरकार महंगाई कम करने और रोजगार बढ़ाने पर ध्यान देगी, लेकिन जनप्रतिनिधियों का ध्यान अपनी सुविधाओं में इजाफे पर ज्यादा रहा। संसद और विधानसभाओं के सत्र वैसे भी साल में गिने-चुने दिनों तक ही चलते हैं। संसद के औसत सत्र 60 से 80 दिनों तक होते हैं, जबकि अधिकांश राज्य विधानसभाओं के सत्र इससे भी कम चलते हैं। इसके बावजूद सांसदों और विधायकों को मिलने वाले वेतन, भत्ते और सुविधाएं जनता के करों से आती हैं।

सांसदों को मिलने वाली विशेष सुविधाएं

सांसदों को सिर्फ वेतन और भत्ते ही नहीं, बल्कि कई अतिरिक्त सुविधाएं भी दी जाती हैं, जिनमें शामिल हैं:

ज़नि:शुल्क यात्रा: प्रत्येक सांसद को 34 हवाई यात्राएं नि:शुल्क मिलती हैं, जिनका उपयोग वे स्वयं या अपने परिवार के सदस्यों के साथ कर सकते हैं। इसके अलावा, उन्हें भारतीय रेलवे की सभी श्रेणियों में मुफ्त यात्रा की सुविधा प्राप्त होती है।

ज़आवासीय सुविधाएं: सांसदों को दिल्ली में मुफ्त सरकारी आवास दिया जाता है, जिसमें सभी आधुनिक सुविधाएं शामिल होती हैं।

ज़फोन और इंटरनेट: उन्हें फ्री टेलीफोन और इंटरनेट सेवाएं मिलती हैं।

ज़चिकित्सा सुविधाएं: सांसदों और उनके परिवार के सदस्यों को सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा दी जाती है।

ज़कार्यालय खर्च: सांसदों को कार्यालय संचालन के लिए भी विशेष भत्ता मिलता है, जिसमें कंप्यूटर ऑपरेटर, स्टेशनरी और अन्य खर्चे शामिल होते हैं।

ज़पेंशन: भले ही सांसद एक कार्यकाल के लिए भी चुने जाएं, उन्हें आजीवन पेंशन मिलती है, जो उनके कार्यकाल के अनुसार बढ़ती रहती है।

अर्थव्यवस्था पर बोझ या जरूरी सुविधा?

विशेषज्ञों का कहना है कि जब देश की अर्थव्यवस्था कठिन दौर से गुजर रही हो, तब सांसदों के वेतन और भत्तों में इस तरह की बढ़ोतरी जनता की भावना के विपरीत मानी जाएगी। सवाल यह भी उठता है कि क्या जनप्रतिनिधियों को अपने वेतन और भत्ते खुद तय करने का अधिकार होना चाहिए, या इस पर कोई

स्वतंत्र निकाय फैसला करे?

देश में महंगाई की लपटें तेज हैं, बेरोजगारों की संख्या बढ़ रही है और आम जनता संघर्ष कर रही है, लेकिन सांसदों के वेतन-भत्तों में बढ़ोतरी बताती है कि किसके लिए 'अच्छे दिन' आ रहे हैं!

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

बढ़ती हिंसा: असहनशील समाज की ओर बढ़ता विश्व

आज जब पूरी दुनिया पहले से ही कई युद्धों की चपेट में है और 'तीसरे विश्व युद्ध' की आशंका जताई जा रही है, तब आम समाज में भी हिंसा का बढ़ता ग्राफ एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। छोटी-छोटी बातों पर विवाद अब केवल बहस तक सीमित नहीं रहते, बल्कि चाकू-छुरियों और बंदूकों तक पहुंच जाते हैं। सड़कों पर होने वाली हिंसा से लेकर सोशल मीडिया पर बढ़ती आक्रामकता तक, समाज में असहनशीलता अपने चरम पर है।

छोटी-छोटी बातों पर हिंसक होते लोग

हाल के दिनों में दुनियाभर में हुई घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि लोग अब धैर्य और संयम खोते जा रहे हैं।

विदेशों में बढ़ती हिंसा

लंदन: एक सुपरमार्केट में खरीदारी के दौरान हुई मामूली कहासुनी इतनी बढ़ गई कि एक व्यक्ति ने गुस्से में दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

ज़अमेरिका: न्यूयॉर्क में ट्रैफिक सिग्नल पर हुई बहस में गुस्साए एक व्यक्ति ने दूसरे पर गोली चला दी, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई।

फ्रांस: पेरिस में हाल ही में मास्क पहनने को लेकर एक कैफे में झगड़ा हुआ, जिसमें एक ग्राहक ने वेटर को पीट-पीटकर घायल कर दिया।

भारत में भी हिंसा का बढ़ता प्रकोप

दिल्ली: बीते हफ्ते एक पार्किंग विवाद इतना बढ़ गया कि दो गुटों के बीच खुलेआम फायरिंग हो गई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए।

ज़लखनऊ: एक रेस्तरां में खाने के बिल को लेकर हुई कहासुनी में एक युवक ने वेटर पर चाकू से हमला कर दिया।

ज़मुंबई: लोकल ट्रेन में सीट को लेकर हुए झगड़े में दो यात्रियों के बीच हाथापाई इतनी बढ़ गई कि एक यात्री को गंभीर चोटें आईं।

हिंसा बढ़ने के पीछे कारण क्या हैं?

इस बढ़ती हिंसा के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें प्रमुख हैं:

1. असहनशीलता में वृद्धि: आजकल लोग छोटी-छोटी बातों पर अपना आपा खो बैठते हैं। सहनशक्ति की कमी और क्रोध पर नियंत्रण न रख पाने के कारण विवाद जल्दी हिंसा में बदल जाते हैं।

2. सोशल मीडिया और डिजिटल कंटेंट का प्रभाव: टेलीविजन, वेब सीरीज और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिंसक कंटेंट की अधिकता लोगों के दिमाग पर गहरा प्रभाव डाल रही है। एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग अधिक हिंसक सामग्री देखते हैं, उनमें आक्रामकता और असहनशीलता बढ़ने की संभावना अधिक होती है।

3. परिवार और समाज में नैतिक शिक्षा की कमी: पहले घरों और स्कूलों में बच्चों को सहनशीलता और धैर्य सिखाया जाता था, लेकिन अब यह कहीं न कहीं कम हो गया है।

4. आर्थिक और मानसिक तनाव: बेरोजगारी, आर्थिक संकट और मानसिक तनाव भी लोगों को जल्दी गुस्सा करने और हिंसा पर उतरने के लिए उकसाते हैं।

5. हथियारों की आसान उपलब्धता: कई देशों में हथियारों तक आसान पहुंच भी इस समस्या को बढ़ा रही है। अमेरिका जैसे देशों में गन कल्चर पहले से ही एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

विशेषज्ञों की राय

मनोचिकित्सकों का कहना है कि आजकल लोगों की सहनशीलता कम हो रही है। तनाव, चिंता और निराशा के कारण वे जल्दी गुस्सा हो जाते हैं। सोशल मीडिया पर लगातार हिंसक और उत्तेजक सामग्री देखने से भी आक्रामकता बढ़ रही है।

वे आगे कहते हैं, इस समस्या का समाधान तभी संभव है जब लोग अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखें और सहनशीलता को बढ़ावा दें।

समाधान क्या हो सकता है?

1.सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना: समाज में धैर्य और सहिष्णुता को बढ़ाने के लिए नैतिक शिक्षा को प्रोत्साहित करना जरूरी है।

2.सोशल मीडिया पर हिंसक कंटेंट को कम करना: सरकारों और टेक कंपनियों को हिंसक और उत्तेजक सामग्री के प्रसार पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए।

3.क्रोध प्रबंधन और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना: मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना और लोगों को तनाव प्रबंधन की ट्रेनिंग देना जरूरी है।

4. सख्त कानून और सुरक्षा उपाय: सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा बढ़ाई जाए और अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई हो।

5. परिवार और समाज की भूमिका: माता-पिता और शिक्षकों को बच्चों में संयम और धैर्य विकसित करने के लिए प्रयास करने चाहिए।

बढ़ती हिंसा न केवल समाज को अस्थिर कर रही है, बल्कि यह भविष्य के लिए भी एक गंभीर खतरा बनती जा रही है। अगर जल्द ही इसे नियंत्रित नहीं किया गया, तो यह समस्या और भी भयावह रूप ले सकती है। यह वक्त है कि हम एक जिम्मेदार समाज का निर्माण करें, जहां संयम, सहिष्णुता और प्रेम को प्राथमिकता दी जाए, न कि आक्रोश और हिंसा को।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

अवैध शराब परिवहन पर 54 लीटर अवैध शराब

मोबाइल एवं परिवहन मे प्रयुक्त वाहन जप्त

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
कोतमा, विकास सिंह थाना प्रभारी बिजुरी ने बताया कि ईद नवरात्रि व्यवस्था हेतु वाहन चेकिंग बिजुरी पुलिस द्वारा खेडिया क्रेशर तिराहा बिजुरी मे लगायी गई थी दौरान वाहन चेकिंग 30 मार्च को एक स्कूटी MP65S0884 में 03 व्यक्ति बहेराबांध कोठी की तरफ आते दिखायी दिये जिसमे से एक व्यक्ति पुलिस को देखकर गाडी से कूदकर भाग गया संदेह होने पर तत्काल उपरोक्त स्कूटी को धेराबंदी कर पुलिस अभिरक्षा मे लिया जाकर पूछताछ की गयी जिन्होने अपना नाम क्रमश दिलीप शर्मा उर्फ भैया पिता भुवनेश्वर प्रसाद शर्मा उम्र 36 वर्ष निवासी वार्ड क्र 12 बिजुरी ,मंगल प्रसाद कोल पिता राजेन्द्र प्रसाद कोल उम्र 20 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 11 बिजुरी तथा भागने वाले का नाम आभाष सिंह राणा निवासी कोठी का होना बताये तथा उनके पास

रखे बोरे को चेक किया गया तो उनमे अवैद्य शराब का होना पाया गया।

बताया जाता है कि 34(2) आबकारी एक्ट का संज्ञेय अपराध होने से मौके से उपरोक्त आरोपियों के कब्जे से बरामद कुल अंग्रेजी बियर एवं देशी शराब कुल 54.390 लीटर कीमती 23080/- रुपये एक स्कूटी कीमती 50000/- रुपये मोबाइल फोन कीमती 5000/- रुपये कुल कीमती 78080/- रुपये का पुलिस द्वारा जप्त किया गया 02 आरोपियो को मौके से गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय पेश किया गया हैउपरोक्त आरोपियों के विरुद्ध थाना बिजुरी मे अप. क्र. 97/25 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचनाधीन है।

ईद उल फितर का त्योहार धूमधाम से मनाया गया ईदगाह में नमाज अदा की गई

पार्षद ठाकुर अल्ताफ द्वारा दी गई बधाई

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
कोतमा, ईद-उल-फितर का त्योहार सोमवार को नगर सहित क्षेत्र में शांति एवं अकीदत के साथ मनाया गया। ईद को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। ईद पर नगर के इस्लाम गंज, बनिया टोला मस्जिद के साथ लहसुई गांव के पास ईदगाह में सैकड़ो की संख्या लोगों ने ईद की नमाज अदा किया गया। नमाज के बाद लोगो ने एक दूसरे को गले मिल कर ईद की मुबारकवाद दिया। ईद की नमाज पर क्षेत्र में अमन चैन और खुशहाली की दुआ मांगी गई। ईद पर लोगो ने नये नये कपड़े पहने और सेवइयां खाई। ईदगाह में मेले भी सजा रहा जहां बच्चों के द्वारा खिलौने सहित खाने पीने की वस्तुओं की खरीदी करते नजर आए बच्चों ने झूले का भी आनंद लिया। ईद को लेकर प्रशासन अलर्ट नजर आया। सुरक्षा को लेकर चाक चौबंद व्यस्था बनी रही। सभी

मस्जिदों के पास पुलिस बल की तैनाती की गई थी साथ ही पेट्रोलिंग टीम भी लगातार प्रमुख चौराहों पर भ्रमण करती रही। नपा अध्यक्ष ने दी बधाई- ईदगाह पर नपा अध्यक्ष अजय सराफ, अल्ताफ ठाकुर पार्षद वार्ड क्रमांक 15,एसडीओपी आरती शाक्य,तहसीलदार ईश्वर प्रधान थाना प्रभारी सुंन्द्रेश सिंह ,सीएमओ प्रदीप झारिया सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। नपा अध्यक्ष ने सभी मुस्लिम भाइयों से ईद के त्यौहार मिल जुल कर मनाने की अपील किया और सभी को मुबारकवाद दी। शाम को चला सेवइया का दौर- ईद का त्यौहार मुस्लिम भाईयों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद मुबारक बाद दी है। शाम को एक दूसरे के घर जाकर सेवईयां का भी दौर चला। ईद की खुशी 2 से 3 दिन तक मनाया जाएगा। नगर पालिका ने किया व्यवस्था- ईदगाह स्थल पर नगर पालिका के द्वारा नमाजियों के लिए टेंट एवं पीने के पानी सहित अन्य व्यवस्था भी कराई गई।ईदगाह स्थल पर प्रशासन के साथ ही पुलिस विभाग नगर पालिका के कर्मचारी उपस्थित थे ।

शराब ठेकेदार का सेल्समेन निकला आरोपी

180 लीटर अवैध शराब बिक्री हेतु रखी जप्त कर दो आरोपियों को किया गिरफतार

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
कोतमा, सूद्रेंश सिंह थाना प्रभारी ने बताया कि 31 मार्च को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि नेशनल हाईवे 43 रोड कोतमा की शराब दुकान के पीछे बाड़ा में अवैध शराब बिक्री हेतु रखी है मौके से पुलिस टीम सूचना की तस्दीक हेतु बताये स्थान पर पहुंच कर रेड कार्यवाही की तो मौके पर दो व्यक्ति मिले जिनसे नाम पता पूछने पर अपना अपना नाम रामदयाल प्रसाद पिता फगुनी साव उम्र 55 साल निवासी ग्राम अंबा थाना कुटुंबा जिला औरंगाबाद बिहार हाल हाईवे शराब दुकान सेल्समेन गाद्दीदार कोतमा एवं सनत कुमार सिंह पिता स्वर्गीय नंद कुमार सिंह उम्र 45 साल निवासी ग्राम कोल्हे मझौली थाना पाली जिला औरंगाबाद बिहार हाल सेल्समेन गद्दीदार शराब दुकान बस स्टैंड कोतमा के होना बताएं जिसे अवैध शराब के

संबंध में पूछताछ करने पर बताएं कि आज ठेका का आखिरी दिन होने से बचा हुआ माल बिक्री करने के लिए अतुल के बाडा में रखवाना बताएं मौके से उक्त दोनों संदेहियों से अवैध शराब निकलवा कर गिनती कराई गई तो 20 पेटी प्लेन मदिरा शराब प्रत्येक पेटी में 50-50 पाव प्रत्येक पांव में 180 एम एल प्लेन मदिरा शराब होना, कुल 180 लीटर कुल कीमत 70000/- हजार रुपए आरोपियों से जप्त कर आरोपियों को धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 121/25 धारा 34(2) आबकारी अधिनियम कायम कर विवेचना में लिया गया /आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के छात्रावासों में नव वर्ष मनाया गया

कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर प्रकाश डाला

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
चित्रकूट, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सभी छात्रावासों (अनुसूया छात्रावास(महिला), श्रीराम छात्रवास, विवेकानंद छात्रवास में नववर्ष पर्व हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने अपने मार्गदर्शक उद्बोधन के माध्यम भारतीय ज्ञान परंपरा पर प्रकाश डाला। कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा के नेतृत्व में तीनों छात्रावासों में रहने वाले छात्र छात्राओं ने अपने अपने छात्रावास अधीक्षकों, शिक्षकों के साथ मिलकर नव वर्ष प्रतिपदा एवं नवरात्रि पर्व पर पूजा और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त की। प्रात: काल स्नान के पश्चात छात्राओं ने अनुसूया महिला छात्रावास में विभिन्न रंगों से रंगोली सजाकर नव वर्ष का स्वागत किया। श्री राम

छात्रावास और विवेकानंद छात्रावास के छात्रों ने पुष्पों की मालाएं और पत्तियों की लड़ियों के माध्यम से नव वर्ष का अभिनन्दन किया। कार्यक्रम के अंत में लोगो ने प्रसाद और फलाहार प्राप्त किया।

40 दिन से भूख हड़ताल के बाद भी नहीं सुनी जा रही कर्मचारियों की तो कामदगिरि गिर से गुहार लगाने पहुंचे ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कर्मचारी

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
चित्रकूट, चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का 4 फरवरी से लगातार आंदोलन जारी है, विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलपति पर दमनात्मक कार्यशैली का आरोप लगा रहे है कर्मचारी, विश्वविद्यालय कर्मचारीयो को 3 महीने से वेतन नहीं मिला है,मध्य प्रदेश शासन द्वारा भी हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है,आखिरकार कामदगिरि के दर पर पहुंच गए हैं विश्वविद्यालय के कर्मचारी, शासन सत्ता नहीं दे रहा ध्यान तो अब कामदगिरीसे गुहार लगाने पहुंच गए कर्मचारी, 40 दिनों से भूख हड़ताल पर है कर्मचारी न विश्वविद्यालय प्रशासन और ना ही सरकार सुन

रही है, बरहा के हनुमान जी में कामदगिरी आरती स्थल पर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ कर कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय के कुलपति और विश्व विद्यालय प्रशासन को सद्बुद्धि प्रदान करने की मांग की है. पेंशन पीएफ और नियमित वेतन की मांग को लेकर आंदोलित है कर्मचारी 2 महीने से आंदोलन पर है कर्मचारी...

नयागांव बड़े पुल के नीचे मंदाकिनी नदी में एक महिला का मिला शव

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, जिले के अंतर्गत चित्रकूट थाना अंतर्गत नयागांव बड़े पुल के नीचे मंदाकिनी नदी में एक महिला का मिला शव,मौके पर पहुंची चित्रकूट थाना पुलिस स्थानीय लोगों के द्वारा दी गई सूचना के आधार पर शव का पंचनामा कर जानकीकुंड अस्पताल मर्चुरी में रखवाया गया है जिसकी चित्रकूट थाना प्रभारी के द्वारा पता तलाश करने पर पता चला कि यह महिला सीतापुर निवासी जिला चित्रकूट उत्तर प्रदेश की रहने वाली है परिजन के मामा राजकरण को सूचना दे दी गई परिजन

राजकरण कोटार ने बताया कि इस महिला का नाम क्रांति कोटार है जिसकी उम्र लगभग 35 साल है जिसके चार बच्चे भी है जो घर से सुबह लगभग 4 बजे निकल आई थी और माइंड से हल्का विक्षिप्त थी जिसकी मंदाकिनी नदी भरत घाट में पुल के नीचे डूबने से मौत हो गई इसके पति का नाम है गट्टू कोटार जो कि सीतापुर जिला चित्रकूट उत्तर प्रदेश का निवासी है चित्रकूट थाना प्रभारी देवराज शर्मा ने बताया कि परिजनों के थाने पहुंचने के बाद शव का पीएम करवाकर बॉडी को किया जाएगा परिजनों को सुपुर्द।

योगोत्सव में जुटे महिला, पुरुष और बच्चें

योग दिवस पर हर पार्क भरा हो योग साधकों से - मंडलायुक्त अटल कुमार राय

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। मोक्षायतन अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान, मोरारजी देसाई योग संस्थान और आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा योग दिवस पूर्व सौ दिन अभियान में योग नगरी सहारनपुर में 82 दिन पूर्व योगोत्सव का उद्घाटन मंडलायुक्त अटल कुमार राय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण की उपस्थिति में साधना दीप जलाकर किया गया। दो दिन से नवरात्र, रविवार व ईद की छुट्टियों के बावजूद सवेरे ही नेताजी सुभाष प्रदर्शनी ग्राउंड में बड़ी संख्या में लोग योग गुरु स्वामी भारत भूषण से योग टिप्स लेने जुट गए। उन्होंने न सिर्फ दैनिक जीवन में थोड़ा समय निकालकर योग के गहरे लाभ देने वाली विशेष क्रियाएं सीखी बल्कि जीवन में गुणवत्ता लाने के लिए पांच संकल्पों का पालन करने का वचन योग गुरु को दिया और 82 दिनों तक चलने वाले योगाभ्यास अभियान में

सक्रिय योगदान संकल्प भी लिया। मंडलायुक्त अटल कुमार राय ने अन्य विशिष्ट जनों के साथ योगाभ्यास किया और योग के क्षेत्र में सहारनपुर को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए गुरु भारत भूषण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सान्निध्य में योग सीखने को अपने जीवन का अनूठा अनुभव बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि 82 दिनों के प्रयास से इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सारे पार्क योग प्रेमियों से भरे होंगे। योगोत्सव में मोक्षायतन योगाश्रम के साधकों,योग शिक्षकों, योगाचार्यों के साथ सीनियर सिटीजंस वेलफेयर सोसाइटी, चैंबर ऑफ इंडस्ट्री एंड सर्विसेज, इंजीनियर्स एंड आर्किटेक्ट्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भागीदारी करके योग संस्कार अभियान को आगे बढ़ाने में सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया। गुरु स्वामी भारत भूषण ने योग दिवस को प्रधानमंत्री की विश्व को बड़ी देन बताया और योग दिवस प्रोटोकॉल के साथ ही बदली हुई जीवन शैली में औषधिमुक्त स्वास्थ्य के लिए कारगर संयुक्तगति, गर्दभगति, ग्रीवा एवं स्कंध संचालन के साथ विरेचनगति और सर्वहितकारी प्राणायाम के अभ्यास योगप्रेमियों को सिखाए और गगनभेदी मुक्त हास का अभ्यास कराते हुए कहा कि आनंदमय ऊर्जावान जीवन हम सब का अधिकार है और इसके लिए किसी पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है। सर्व मंगल प्रार्थना से संपन्न हुए योगोत्सव में योग एसोसिएशन अध्यक्ष नंद किशोर शर्मा, योगाचार्य डॉ अशोक गुप्ता, अनीता शर्मा, पूनम वर्मा, डा रामकेवल यादव, अमरनाथ, शिवम वर्मा, दीपक मौर्य, केशव वर्मा, राजेश अरोरा, रोक्सी सिंह, यश राणा की व्यवस्था को सराहा गया।

देवबंद में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद-उल-फितर का त्यौहार

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, ईद उल फितर का त्यौहार देवबंद नगर व देहात क्षेत्र में आज हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ईदगाह में सुबह 7:30 बजे ईद उल फितर की नमाज अदा करके लोगों ने एक-दूसरे के गले लगकर ईद की मुबारकबाद पेश की। ईदगाह के साथ नगर की प्रमुख मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई। इस दौरान उलेमा ए कराम ने आपसी सौहार्द और मुल्क की तरक्की की दुआएं कराई। नगर की मस्जिदों में अल सुबह से ही ईद की नमाज़ का सिलसिला शुरु हो गया था।ईदगाह में मुफ्ती सैयद अफ्फान मंसूरपुरी नमाज़ अदा कराई। ईदगाह में आलिम ए दीन मुफ़्ती सैयद अफ्फान मंसूरपुरी ने अपने खिताब में लोगों को ईद की मुबारक देते हुए कहा, ईद का पैगाम मानवता की भलाई के लिए है। ईद इंसानों के लिए मोहब्बत का पैगाम लेकर आती है। नमाज के बाद उन्होंने देश में अमन शांति

और सुख समृद्धि की दुआ कराई। नमाज के बाद लोगों ने एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। मिठाईयां और शीर खिलाकर भी एक दूसरें को मुबारकबाद पेश की गई। नगर की मस्जिद काजी, मुगलों वाली मस्जिद, किला मस्जिद, मोहल्ला पठानपुरा लाम मस्जिद, दारुल उलूम जकरिया मस्जिद, मस्जिद महमूदिया कोला बस्ती, मस्जिद रहमबीबी, मस्जिद नूर, मस्जिद सराय पीरजादगान में भी ईदुल फित्र की नमाज अदा की गई। सुरक्षा की दृष्टि से ईदगाह और प्रमुख मस्जिदों के आसपास पुलिस बल तैनात रहा। एसडीएम देवबंद युवराज सिंह, सीओ देवबंद रविकांत पाराशर और प्रभारी निरीक्षक बीनू चौधरी सुरक्षा की कमान संभाले रहे। खुफिया विभाग के अधिकारी भी अलर्ट रहे।ईद उल फितर की नमाज को लेकर नगर और देहात के लोगों में काफी उत्साह था। ईदगाह मैदान में सफाई की अच्छी व्यवस्था देखने को मिली। जहां ईदगाह कमेटी की ओर से सफाई आदि की व्यवस्था की गई थी वहीं प्रशासन की ओर से भी कोई कमी नहीं छोड़ी गई और लगातार ईद की नमाज से पहले व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया गया था।ईद के दिन भी सुरक्षा की दृष्टि से ईदगाह के मैदान के आसपास काफी संख्या में पुलिस बल के साथ-साथ फोर्स के जवान भी तैनात थे। वहीं आला अधिकारी लगातार मौजूद रहे। वहीं ईदगाह कमेटी के अध्यक्ष डॉ अनवर सईद और सचिव मोहम्मद अनस सिद्दीकी ने सभी को ईद की मुबारकबाद दी।

धूमधाम से मनाया गया ईद पर्व ....ईद के पर्व पर विशेष नमाज अदा की गई गई

मांगी देश में अमन-चैन की दुआ

खरगोन जिले के कसरावद मैं ईद उल- फितर का त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया। इस दौरान शहर व गांवों में स्थित मस्जिद व ईदगाह में ईद की विशेष नमाज पढ़ी गई । और देश व दुनिया में अमन शांति के लिए दुआ मांगी गई। रोजेदारों ने अल्लाह की रजा के लिए महीने भर रोजे रखे और दिनभर भूखे रहकर अल्लाह की इबादत में मशगूल रहे। रमजान महीने के 30 रोजे पूरे होने के साथ ही सोमवार को शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रो में ईदगाह एवं मस्जिदों में ईद की नमाज पढ़ी गई । नमाज पढ़ने के बाद देश में अमन चैन और भाईचारे की दुआ मांगी गई ।और लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। वहीं प्रशासन भी मौजूद रहा। एसडीएम सत्येंद्र बैरवा थाना प्रभारी राजेंद्र बर्मन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने स्थिति पर नजर रखी।

सोलंकी को प्रथम स्थान

उज्जैन

महर्षिपाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय- उज्जैन मध्य प्रदेश - ग्राम केसरिया से श्रीमती विष्णुविनीता सोलंकी संस्कृत पत्रकारिता एवं जनसंचार। विषय में स्नातकोत्तर पत्रोउपाधि- प्रवीणता सूची मे प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वर्तमान मे आप अर्ध कानूनी विधिक सलाहकार होने के साथ जिला पंचायत मनरेगा जिला सचिव भी है । किसी की पहचान की मोहताज नहीं अपने परिवार का ही नहीं बल्कि अपने गांव एवं क्षेत्र कभी नाम रोशन किया है ।

सलकनपुर मंदिर परिसर में सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं सभी व्यवस्थाएं

सीहोर

सामान्य गति से चल रही है यातायात व्यवस्था श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अधिकारी-कर्मचारी मुस्तैदी से कर रहे हैं ड्यूटी

चैत्र नवरात्री पर विजयासन देवी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का सलकनपुर आगमन हो रहा है। श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना एवं दर्शन में किसी तरह की कोई परेशानी न हो इसके लिए कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त पार्किंग, पेयजल, साफ-सफाई तथा पर्याप्त बिजली की व्यवस्था की गई है।

मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के सुगम आगमन एवं निर्गमन के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ ही मेला स्थल पर दुकानों को व्यवस्थित ढंग से लगाया गया है, जिससे किसी प्रकार की असुविधा न हो। ट्रेफिक नियंत्रण के लिए भी पर्याप्त संख्या में पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए हेल्थ कैंप लगाए गए हैं। जिससे श्रद्धालुओं को चिकित्सा की आवश्यकता पड़ने पर तत्काल रूप से मेडिकल सहायता प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही इमरजेंसी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई है। सलकनपुर मंदिर के लिए बाहर से आने वाली बसों की पार्किंग के लिए अस्थाई बस स्टैण्ड बनाया गया है, ताकि सड़क मार्ग पर बसों से होने वाले ट्रैफिक को व्यवस्थित एवं नियंत्रित किया जा सके। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में कोई परेशानी न हो, इसके लिए मुख्य स्थानों पर हेल्प डेस्क बनाए गए हैं। इसके साथ ही मंदिर परिसर में कन्ट्रोल रूम भी बनाए गए हैं, जिससे ड्यूटी के दौरान सभी अधिकारी-कर्मचारी सतत संपर्क में हैं। सलकनपुर में चल रहे देवीलोक के निर्माण कार्य एवं यातायात को दृष्टिगत रखते हुए नवरात्रि पर्व के दौरान निजी वाहनो के मंदिर परिसर तक जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए समिति द्वारा अधिकृत टैक्सी वाहन चलाए गए हैं, जिससे श्रद्धालु मंदिर तक आ-जा रहे हैं। निजी वाहनों से आने वाले श्रद्धालु नीचे बनाई गई पार्किंग में अपने वाहन खड़ा करके अधिकृत टैक्सी वाहन से मंदिर तक आ-जा रहे हैं।

कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई के साथ होगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर.

इन्दौर कलेक्टर कार्यालय में आज एक अप्रैल मंगलवार को जन सुनवाई के साथ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी होगा। जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों और अन्य नागरिकों का अत्याधुनिक मशीन के माध्यम से निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। उन्हें मौके पर ही स्वास्थ्य परीक्षण के परिणाम से अवगत कराया जायेगा। यह शिविर सुबह साढ़े 10 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर तीन बजे तक चलेगा। यह स्वास्थ्य परीक्षण एक अत्याधुनिक एक टच प्रारंभिक जांच (प्राथमिक जाँच) डिवाइस के माध्यम से होगा। जो नॉन-इनवेसिव तरीके से समग्र कार्डियक और रेस्पिरेटरी स्वास्थ्य का विस्तृत मूल्यांकन करता है। यह डिवाइस, इंदौर में विकसित किया गया है और भारत एवं अमेरिका में पेटेंट प्राप्त है । अत्याधुनिक सेंसर और तकनीक के माध्यम से केवल एक टच में हार्ट रेट, पल्स, बॉडी टेम्परेचर,बीपी, ऑक्सीजन लेवल सहित 700 से अधिक हेल्थ पैरामीटर्स का त्वरित और सटीक विश्लेषण करता है। इस नवाचार को एआईएम नीति आयोग द्वारा चुनी गई शीर्ष 50 हेल्थकेयर इनोवेशन में स्थान दिया गया है, जो इसके विश्वसनीयता और तकनीकी उन्नति को दर्शाता है। यह पहल रोकथाम और समय रहते चेतावनी के माध्यम से स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने एवं समुदाय में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है, जिससे नागरिकों को सरल, सुरक्षित एवं दर्द रहित तरीके से अपनी स्वास्थ्य स्थिति का आकलन करने का अवसर मिले।

श्रद्धांजली एक सार्थक पहल

कलेक्टर की संवेदनशीलता से 75 परिवार हुए लाभान्वित

सागर

कलेक्टर श्री संदीप जी आर की संवेदनशीलता के कारण जिले के 75 परिवार लाभान्वित हुए और अब सभी परिवार अपने परिवार का भरण पोषण करने में सक्षम हो गए हैं और सरकारी नौकरी प्राप्त करने के बाद अपने परिवार की सभी ज़रूरतें भी पूरी करने में सक्षम हो गए हैं। कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने श्रद्धांजलि योजना के माध्यम से शासकीय सेवा में रहते निधन हुए कर्मचारियों के परिवार को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की और अनुकंपा नियुक्ति प्रदान कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने बताया कि श्रद्धांजलि योजना के माध्यम से न केवल अनुकंपा देने का कार्य किया जा रहा है बल्कि इस योजना के माध्यम से समय सीमा में मृत्यु प्रमाण पत्र, अंत्येष्टि सहायता राशि, नामांतरण ,बटवारा, उनके सभी शासकीय देयकों का समय पर दिलाना भी प्रमुख है। शासन की मंशा है कि सेवानिवृत्ति पर सेवानिवृत कर्मचारी को सभी सेवानिवृत लाभ यथा समय प्राप्त हो जाना चाहिये। शासन के यह भी निर्देश है कि यदि किसी शासकीय कर्मचारी की सेवाकाल के दौरान मृत्यु हो जाती है और उसका कोई वैध वारिस है तो उसके अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरण तैयार किये जाकर तत्परता से कार्यवाही की जायें । अपने जीवन को शासकीय सेवा में लगा देने सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं वरिष्ठ नागरिक अपने सेवानिवृत्त के स्वत्वों के भुगतान के लिये भटकते रहते है। उनके पेंशन प्रकरणों का समय पर निराकरण न हो पाने के कारण पी.पी.ओं जारी नहीं हो पाने से उनके स्वत्वों का भुगतान भी समय पर नहीं हो पाता इसको भी पूरा करने का कार्य किया गया। शासकीय सेवा के दौरान मृत कर्मचारियों के स्वत्वों के भुगतान एवं अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों के लिए रिक्त पदों की जानकारी विभागों द्वारा न दिये जाने कारण ये अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरणों वर्षों तक लम्बित बने रहते थे। इस प्रकार शासकीय सेवा के दौरान अपना जीवन खो देने वालों के परिवारों को सही मायने में सांत्वना नहीं मिल पा रही थी। जिसको भी कलेक्टर श्री संदीप जी आर के द्वारा पूरा किया जा रहा है वह समय पर सभी कार्य किए जा रहे है। सागर कलेक्टर के पद पर पदस्थ होने के बाद श्री संदीप जी.आर. ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं तथा सेवा के दौरान मृत कर्मचारियों के आश्रित को समय पर अनुकम्पा नियुक्ति न मिल पाने की समस्या की ओर ध्यान दिया। जिले के वरिष्ठ नागरिकों को अपने सेवानिवृत्ति लाभों तथा सेवा के दौरान मृत शासकीय कर्मचारियों के आश्रितों का अनुकम्पा नियुक्ति के लिये भटकना न पड़े इसके लिए उन्होंने कार्रवाई करनी का निश्चय किया। उन्होने सभी विभागों को सेवा निवृत होने वाले कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण उनकी सेवानिवृति के दो माह पूर्व ही तैयार करा लेने के लिये पावंद किया तथा जिले में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी/अधिकारियों को उनका सम्मान करते हुये पी.पी.ओ. का कलेक्टर कार्यालय से नियत दिन को वितरण कराना तय किया। कलेक्टर सागर की इस व्यवस्था से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मान मिला और उनके भटकने के दिन समाप्त हो गये। सेवा के दौरान मृत्यु हो जाने वाले कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति देने का अभियान चलाया गया। इस योजना को श्रद्धांजली नाम दिया गया। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये जिले में एक नोडल ऑफीसर बनाया गया तथा सभी विभागों को प्रतिमाह आरक्षण रोस्टर के अनुसार रिक्त पदों की जानकारी देने के लिये निर्देशित किया गया। अनुकम्पा नियुक्ति की पात्रता रखने वाले मृतक कर्मचारियों के आश्रितों का अपने आवेदन कलेक्ट्रेट में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। जहाँ इनका परीक्षण कर उन विभागों को भेजा गया जहा पद रिक्त थे। उन विभागों द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति की कार्यवाही त्वरित गति से की गई। उसका परिणाम यह हुआ कि लम्बे समय से अनुकम्पा नियुक्ति के लिये भटक रहे मृत कर्मचारियों के आश्रितों को नौकरी प्राप्त हो गई। सेवाकाल में मृतक कर्मचारियों को यह सही अर्थों में श्रद्धांजली थी। श्रद्धांजली योजना का समाज में सकारात्मक प्रभाव देखा गया। इसमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला। शासकीय कार्यालयों में रिक्त पद भरने से अतिरिक्त कार्मिक उपलब्ध हुये जिससे उनके कार्य में गुणवत्ता आई। श्रद्धांजली योजना के तहत विभिन्न विभागों में निम्नानुसार कर्मचारियों को नियुक्ति प्रदान की गई जिसमें शिक्षा विभाग से सहायक ग्रेड 3 के लिए तीन पदों पर ,भृत्य के 19 पदों पर नियुक्ति प्रदान की गई। इसी प्रकार जिला पंचायत में ग्राम पंचायत सचिव पर 18 व्यक्तियों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान कर श्रद्धांजलि दी गई। नगर निगम सागर में सफाई संरक्षक के पद पर 15, भृत्य के पद पर तीन एवं सफाई दरोगा के पद पर दो लोगों को नियुक्ति देकर श्रद्धांजलि दी गई ,इसी प्रकार राजस्व विभाग में सहायक ग्रेड 3 के पद पर तीन लोगों को एवं भृत्य पर दो लोगों को नियुक्ति प्रदान की गई ,जेल विभाग में जेल प्रहरी के पद पर चार व्यक्तियों को नियुक्ति प्रदान की गई ,इसी प्रकार महिला बाल विकास विभाग में सहायक ग्रेड 3 के पद पर तीन व्यक्तियों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई एवं सामाजिक न्याय एवं निशक्त जन कल्याण विभाग में सहायक ग्रेड 3 के पद पर तीन लोगों को अनुकंपा नियुक्ति देकर दिवंगत शासकीय सेवक को श्रद्धांजलि देकर उनके परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंप गए इस प्रकार कुल 75 शासकीय सेवकों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंप गए और श्रद्धांजलि जिला प्रशासन के द्वारा दी गई।

मोटर वाली ट्रायसाइकिल एवं वैशाखी मिलने से दिव्यांग विजय का बढ़ा आत्मविश्वास

सीधी दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद सीधी के वार्ड 14 आजाद नगर में रहने वाले 33 वर्षीय दिव्यांग विजय सोनी को मोटराइज्ड ट्रायसाइकिल एवं बैशाखी मिली है, जो उनके लिए चलने-फिरने और दूरस्थ क्षेत्रों में आने जाने के लिए सहायक होगी। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। दूसरों पर निर्भर रहने वाले विजय ने स्वयं का व्यवसाय शुरू करने का मन बना लिया है। सीधी नगर पालिका की रहने वाले विजय ने बताया कि वह काफी लंबे वक्त से पैरों से असहाय हैं। दिव्यांगता के कारण यहां-वहां नहीं जा पाते। घर परिवार के सदस्यों का सहारा लेकर ही चलना पड़ता था, जो बड़ा कठिनाई भरा था। वे सब्जी मंडी में प्रतिदिन जाकर दूसरे के ठेला ताकने का काम करके जीवन यापन करते है लेकिन अब भारत सरकार की पहल पर आरईसी फाउंडेशन एवं सामाजिक न्याय विभाग की मदद से मोटराइज्ड ट्राय साइकिल सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जिला प्रशासन द्वारा प्रदाय की गई है जिससे उनके लिए काफी सहूलियत मिलेगी। अब वह बिना किसी सहारे के बैट्री से चलित मोटराइज्ड ट्राई साइकिल से यहां-वहां भ्रमण कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि अब वह अपना व्यवसाय शुरू करेंगे। उसी में पान मसाला रखकर अपना जीवन यापन करेंगे। उन्होंने इसके लिए आरईसी फाउंडेशन, एलिम्को भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम के साथ-साथ सामाजिक न्याय विभाग सीधी और जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया है।

प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल का दौरा कार्यक्रम

विदिशा पशुपालन एवं डेयरी विभाग के मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल बुधवार 2 अप्रैल को विदिशा जिले में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

प्रभारी मंत्री श्री पटेल का प्राप्त दौरा कार्यक्रम अनुसार बुधवार दो अप्रैल की प्रातः 09.00 बजे भोपाल से प्रस्थान कर प्रातः 10.30 बजे शमशाबाद सर्किट हाउस में आगमन तत्पश्चात 10-45 बजे पिपलधार के लिए रवाना होकर पूर्वाहन 11 बजे से पिपलधार में आयोजित शाला में पहला कदम अभियान कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री श्री पटेल दोपहर 12.30 बजे पिपलधार से नटेरन के लिए रवाना होंगे। दोपहर एक बजे नटेरन मे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के कार्यालय का लोकार्पण एवं स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। उक्त कार्यक्रम के उपरांत प्रभारी मंत्री श्री पटेल दोपहर 3 बजे नटेरन से भोपाल के लिए रवाना होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति में किया गया राष्ट्र सामर्था देवी अहिल्या की पुण्य गाथा नाटक का मंचन

खरगोन

लोकमाता अहिल्या बाई के जनकल्याण और सुशासन के कार्य प्रेरणादायक हैं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई ने 300 वर्ष पहले जनकल्याण के जो काम कराए हैं और सभी संकटों को पार कर सुशासन के प्रतिमान स्थापित किए हैं वह आज हम सब के लिए प्रेरणादायक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 31 मार्च को लोकमाता देवी अहिल्या की नगरी खरगोन जिले के महेश्वर में विश्व मांगल्य सभा द्वारा राष्ट्रसमर्था देवी अहिल्याबाई की पुण्यगाथा नाटक के मंचन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबोले, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, मध्यप्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, होल्कर स्टेट के युवराज श्री यशवंत राव होल्कर, विश्व मांगल्य सभा की अध्यक्ष श्रीमती रेखा खंडेलवाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री डा. वृषाली जी जोशी, विश्व मांगल्य सभा मध्यप्रदेश की अध्यक्ष श्रीमती सूरज डामोर, सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, विधायक श्री राजकुमार मेव, श्री बालकृष्ण पाटीदार, श्री सचिन बिरला, अन्य गणमान्य नागरिक, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे। इस

अवसर पर आयुषी जैन द्वारा देवी अहिल्या बाई की जीवनगाथा पर लिखी गई पुस्तक का विमोचन किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि देवी अहिल्या बाई ने होल्कर साम्राज्य के साथ ही सम्पूर्ण देश में जनकल्याण के कार्य किए हैं। मुगल काल में सनातन संस्कृति को नष्ट करने का काम किया गया लेकिन नर्मदा पुत्री देवी अहिल्याबाई ने सनातन संस्कृति की रक्षा का काम किया है। उन्होंने सोमनाथ, काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग को बनाने का कार्य किया है। देवी अहिल्या ने देश भर में नदी घाटों का निर्माण कराया, गरीबों की दिल खोलकर मदद की, रोजगार के लिए महेश्वरी साड़ियों का निर्माण कराया, व्यापार को प्रोत्साहन दिया, किसानों की मदद की और न्याय व सुशासन के अनेकों कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इतिहास माता अहिल्या के विविध प्रसंगों से भरा हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता अहिल्या बाई के कार्यों से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने पहला दशहरा महेश्वर में मनाया और केबिनेट की बैठक भी महेश्वर में आयोजित की है। प्रदेश की सशस्त्र वाहिनी क्रमांक 01 को अहिल्या माता का नाम दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने महेश्वर में देवी अहिल्या की जीवनगाथा पर नाटक मंचन के लिए विश्व मांगल्य सभा की सराहना की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबोले ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई के 300 जन्म जयंती के अवसर पर महेश्वर में नाटक का मंचन किया जा रहा है। यह नाटक अहिल्या बाई के कार्यों से आमजन को राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देगा। देवी अहिल्या ने मंदिरों का जिर्णोद्धार कराया है। हमारे देश में देवी अहिल्या, रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, रानी चेनम्मा जैसी नारी शक्ति ने शासक के रूप में इस धरती का संचालन किया है। यह हमारे लिए गर्व और प्रेरणा का आदर्श है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अतिथियों के साथ सम्पूर्ण नाटक का मंचन देखा।

उत्साह से मनाई ईद गले मिलकर दी बधाइयां

खेतिया,, पवित्र रमजान माह की समाप्ति के साथ कल देर रात शाम चांद के दिखने के साथ आज ईद मनाई गई। चांद दिखाई देने पर सभी ने एक दूसरे को बधाई दी ।ईद पर विशेष नमाज़ को लेकर तैयारियां पिछले 3 दिनों से जारी थी,,बाज़ार में खरीदारी का दौर भी चलता रहा। आज ईद के अवसर पर खेतिया सेंधवा मार्ग स्थित ईदगाह पर मौलाना मुश्ताक पठान व खेतिया से सटी महाराष्ट्र की सीमा में कब्रिस्तान पर मौलाना आसिफ़ रजा ने ईद पर विशेष नमाज अदा काराई व समाज व देश की प्रगति के लिए मंगल कामनाएं की गई ।नमाज़ अदा होने के साथ सभी ने एक दूसरे से मिलकर ईद की बधाइयां दी। पवित्र रमजान माह के पूर्ण होने पर दुनिया भर में ईद उल फितर का त्यौहार मनाया जाता है यह त्यौहार रोजदारों के लिए एक खास पर्व है यह दिन खुशी इबादत और आपसी भाईचारे का प्रतीक है ।मौलाना मुश्ताक के अनुसार यह दिन आत्मा की शुद्धि और समाज में प्रेम व सद्भावना बढ़ाने का जरिया है। रमज़ान माह में प्रतिदिन

रोजदारों द्वारा रोजे रखे गए वहीं आज ईद की नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाइयां दी ।ईद को लेकर नायब तहसीलदार सुश्री प्रज्ञा पाटीदार, थाना प्रभारी नगर निरीक्षक सुरेंद्र कणेश अपनी टीम के साथ मौजूद रहे ,वहीं उपस्थित लोगों ने ईद की बधाइयां भी उन्हें दी। परस्पर प्रेम सद्भाव खुशी का यह पर्व आज अत्यधिक उत्साह से मनाया गया

नप खेतिया द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारम्भ

खेतिया। म.प्र.शासन के निर्देशानुसार नगर परिषद खेतिया द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत पंडित दिनदयाल उपाध्याय पार्क (बगीचा)मे श्रमदान कर किया गया। उक्त जानकारी देते हुये मुख्य नगरपालिका अधिकारी ईश्वर महाले ने बताया कि शासन के निर्देश के पालन मे दिनांक 30 मार्च से 30जून तक चलने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ नगर परिषद खेतिया के अध्यक्ष दशरथ आनंदा निकुम द्वारा पंडित दिनदयाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधि, न.प.कर्मचारियों ने पार्क मे सफाई अभियान चलाकर श्रमदान किया गया।जल संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न कार्य किये जाने है,गर्मी समक्ष है अत: जल का दुरुपयोग न करने की अपील भी की।कार्यक्रम मे नगर परिषद अध्यक्ष दशरथ आनंदा निकुम ,उपयंत्री जयपाल जमरे,संजय पाटिल, लीलाधर चौहान, सफाई प्रभारी अशोक शिन्दे, प्रकाश सिरसाठ, अनिल बडगुजर, रतिलाल सिरसाठ, करण पाटिल, सौरव जाधव,विजय निकुम, रवि

चौधरी, गोपाल येसिकर अनिल कन्नौजे,अंबालाल जाधव,काशिनाथ चौधरी उपस्थित थे।

भादवामाता क्षेत्र में हुई हत्या की घटना का पुलिस ने 24 घंटे में किया पर्दाफाश

मृतक के भाई एवं भतिजें ने मिलकर दिया था घटना को अंजाम, दोनो आरोपी गिरफ्तार

नीमच- पुलिस अधीक्षक नीमच अंकित जायसवाल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमच नवल सिंह सिसौदिया के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी नीमच सिटी निरीक्षक विकास पटेल के नेतृत्व में नीमच सिटी पुलिस ने दिनांक 29.03.25 को भादवमाता के समीप हुई हत्या की घटना का पर्दाफाश कर हत्या की घटना को अंजाम देने वाले मृतक के भाई और भतिजे को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। घटना का संक्षिप्त विवरण - दिनांक 29.03.25 को फरियादिया ने बताया कि मैं बर्डिया जागीर रहती हूं तथा खेती मजदूरी व घरू कार्य करती हुं। मेरा तथा मेरे देवर कमलेश का खेत पास पास में होकर भादवामाता की सीमा में है। मेरी सास नानी बाई के नाम से अफिम का पटटा है, जो इस वर्ष हमने शामीलाती में अफिम बोई है जिसकी निगरानी के लिये मैं तथा मेरा पति नागेश व मेरे देवर की तरफ से मेरी सास नानी बाई व देवर का लडका विष्ण खेत पर सोते है। अफिम वाले खेत में मेरी सास नानीबाई व लडका विष्णु झोपडी में सोते है। में तथा मेरा पति कुए के पास बनी झोपडी में सोते है। कल शाम करीब 06 बजे मेरे पति हमेशा की तरह शराब पीकर आयें और मेरे तथा मेरे देवर कमलेश से अफिम की फसल को लेकर गाली गलोच करने लगे तो में गांव में अपने घर बर्डिया जागीर चली गई। सुबह 08 बजे में घर से खेत तरफ आ रही थी की रास्ते में मुझे मेरा देवर कमलेश मिला। मैं खेत पर आई और देखा तो मेरे पति नागेश खेत में पडे होकर उनके चेहरे, सीर में खून निकला होकर कुल्हो पर चोंटो के निशान थें। मेरे पति की चोंटो की वजह से मृत्यू हो गई। मैं अपने पति की मृत्यू पर उनके पास बेठकर रो रही थी कि इतने में मेरा देवर कमलेश आया और पास में पडी लकडी उठाकर मेरे साथ मारपीट कर बोला की कुल्टा तु मेरे भाई को खा गई। मारपीट से मेरे दोनो हाथ, दोनो पैर तथा सीने पर चोंट लगी। इतने में वहां पर गांव के सरपंच साहब रघुवीर शर्मा आ गये जिन्होने मुझे बिच बचाव कर छुडाया। मेरे पति नागेश को किसी अज्ञात व्यक्ति ने रात में मारपीट कर उनकी हत्या कर दी है। रिपोर्ट करती हुं कार्यवाही की जावे। फरियादिया की रिपोर्ट पर से पुलिस थाना नीमच सिटी पर अपराध क्रं. 150/25 धारा 103(1) बी.एन.एस. का अज्ञात आरोपी के विरुद्ध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस टीम द्वारा ''आपरेशन नीमच आई'' के माध्यम से लगाये गये सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से घटना स्थल एवं उसके आसपास के सीसीटीवी कैमरों को देखा जाने के साथ ही मुखबिर तंत्र को मामुर कर तकनिकी विशलेषण भी किया गया।

उत्साह से मनाया गुड़ी पड़वा नवरात्रि के साथ नव वर्ष का हुआ शुभारंभ

अलीराजपुर जिले के ग्राम बोरी में नववर्ष के शुभ अवसर पर पुरुष महिला एवं बच्चों द्वारा नगर में प्रभात फेरी निकाल कर नव वर्ष की ग्रामवासी एवं देशवासियों को नववर्ष की शुभकामना दी और नव वर्ष धूमधाम से मनाया गया। विक्रम सवत ,2082

के नव वर्ष में ग्राम में नए-नए कार्यक्रम का आयोजन होता रहता है एवं भगवान के भजन गाकर आराधना की जाती हैं इस पर सभी महिलाएं पुरुष बच्चों में भारी उत्सह रहता है गुड़ी पड़वा का त्यौहार भी बड़े धूमधाम से मनाया जाता है।

धर्म लंगड़ा है धर्म की गति निश्चित रूप से धीमी जरूर है परन्तु धर्म का कार्य कभी रुकता नहीं

डही। धर्म लंगड़ा है धर्म की गति निश्चित रूप से धीमी जरूर है परन्तु धर्म का कार्य कभी रुकता नहीं है प्रकृति जो चाहती है वहीं होता है और आगे भी होता होगा इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया डही के समीपस्त ग्राम करजवानी के निवास रत आदिवासी समाज के लोगों द्वारा यहां प्राचीन समय से जीर्ण शीर्ण छोटे से मन्दिर में विराजित राम भक्त हनुमान जी के मन्दिर का जीर्णोद्धार करते हुए स्थानीय कारीगरों द्वारा समाज के सहयोग से विशाल काय मन्दिर का जीर्णोद्धार करते हुए नवीन मन्दिर का निर्माण कर दिखाया और आगामी 12 अप्रेल 2025 को नवीन मन्दिर के गर्भ गृह में हनुमान जी का विग्रह (मूर्ति) की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन सम्पन्न किया जाएगा आयोजित कार्य क्रम में वेद माता गायत्री परिवार के कलयुगी निषाद सन्त श्री डेमनिया बाबा टोली के साथ क्षेत्रीय भाषा के प्रखर वक्ता समाज सेवी प्रताप भाई बर्डे निवासी दाम खेड़ी झिरनिया बालों का तीन दिवसीय सत्संग का आयोजन सम्पन्न किया जाएगा जिसमें 10 अप्रैल को सुबह ग्राम के विभिन्न मार्ग से कलश यात्रा निकाली जाएगी तथा शाम को दीप यज्ञ, एवं आध्यात्मिक प्रवाह दिनांक 11 फरवरी को दिन में हवनात्मक कार्यक्रम के दौरान हवन में सामूहिक रूप से आहुतियां प्रवाहित की जाएंगी शाम को सत्संग में धार्मिक प्रसंग के साथ नशा मुक्ति,एवं दुर्व्यसनो से होने वाली विकृतियों को लेकर एवं मनुष्य है तो मनुष्य की ज़िन्दगी कैसे जिए समाज में फैली हुई कुरीतियों,अंधविश्वास आदि और भी समाज हितेशी विषयों को लेकर समाज सुधार हेतु प्रेरक सत्संग 12 फरवरी को प्रभु श्री राम जी के परम भक्त हनुमान जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा पश्चात भव्य भंडारे का आयोजन सम्पन्न किया जाएगा धार्मिक कार्यक्रम में ग्राम के साथ आस पास के अनेक ग्रामीण स्थलों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तो का जन शैलाब उमड़ने वाला है आयोजित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजन को सफल बनाने को लेकर नवीन हनुमान जी मन्दिर परिसर में 29 मार्च शनिवार रात 8 बजे समरसता बैठक आहुत की गई इस में कार्यक्रम की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु विचार विमर्श किया गया । साथ ही आयोजक समिति ग्राम करजवानी डही क्षेत्र वासियों ने समस्त धर्म प्रेमी जनता से अनुरोध करते हुए अपील की है कि इस धार्मिक अनुष्ठान में मुक्त हस्त से तन मन धन अर्पित करते हुए अपने सह कुटुम्ब परिजन ईस्ट मित्रो सहित बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराते हुए धार्मिक कार्य को सफल बनावे और पुण्य का लाभ लेवे ।

गणगौर पर्व...भक्ति,श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास का संगम

डही - निमाड़ के प्रसिद्ध लोक पर्व गणगौर महापर्व की शुरुआत हो चुकी है. नगर में गणगौर पर्व उल्लास पारंपरिक श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। नगर के सभी समाज सकल पंच समिति के नेतृत्व में समाज की बालिका एवं महिलाओं द्वारा प्रतिदिन शाम को थाना परिसर से आकर्षक फूलपाती का चल समारोह निकाला जा रहा है। पर्व के अंतर्गत बालिकाओ और महिलाओ द्वारा पूरी श्रद्धाभक्ति व उत्साह से फूल पांतिया श्रंगारित कर नगर के कचहरी चौक में लाई जा रही है। इसके बाद ढोल और ताशे की मंगल ध्वनि के बीच शोभायात्रा के रूप में ये पातियाँ नगर के कचहरी में से अपने अपने घरो तक लाई जाती हैं इस दौरान सिर पर कलश धारण किए हुए बालिकाएं जब श्रद्धा भाव से नगर भ्रमण करती हैं तो संपूर्ण वातावरण

भक्तिमय हो जाता है।

पर्व की मान्यता गण (शिव) तथा गौर (पार्वती) के इस पर्व में कुंवारी लड़कियां मनपसंद वर पाने की कामना करती है। वही विवाहित महिलाएं चेत्र शुक्ल तृतीया को गणगौर पूजन तथा व्रत कर अपने पति की दीर्घायु की कामना करती है। कपिल दिक्षित पंडित ने बताया कि समय के साथ गणगौर पर्व का उत्साह बढ़ता जा रहा है। 31 मार्च सोमवार की शाम को बड़ी फूलपाती सजाकर बालिकाए व महिलाएं बड़ी संख्या में निकलेगी। फूल पाती 7 दिन तक निकालते हैं,उसके बाद गणगौर माता के रथ के साथ तीन दिवसीय आयोजन मानते हैं अबकी बार तीसरे दिन बुधवार होने से माता की बिदाई चौथे दिन यानी गुरूवार को होगी।

शिव और गोरी की आराधना का मंगल उत्सव पर्व की मान्यता है कि जो कुंवारी कन्या गणगौर व्रत करती है उन्हें मनपसंद जीवनसाथी का वरदान प्राप्त होता है ईश्वर गौर यानी शिव पार्वती की पूजा का यह पावन पर्व माना जाता है

नानपुर में हिंदू नव वर्ष पर निकला विशाल चल समारोह,साथ ही प्रतिदिन रात्रि में होगी श्री शिव महापुराण कथा

अलीराजपुर- चैत्र शुक्ल गुड़ी पड़वा रविवार को हिंदू नव वर्ष गुड़ी पड़वा पर नानपुर में विविध आयोजन हो रहे हैं। मां कालिका मंदिर परिसर में संगीतमय श्री शिव महापुराण का आयोजन आज से प्रारंभ। नगर में अभूतपूर्व उत्साह नजर आ रहा है। घर-घर भगवा और तोरण से नगर को सजाया गया। पथवारी माता से जल भरकर विशाल चुनरी कलश यात्रा ग्राम के मुख्य मार्ग से निकाली गई। यात्रा में ढोल ताशा व बैंड बाजे,पुष्प वर्षा के साथ बग्घी पर शिव महापुराण कथा के प्रवक्ता पंडित अंकित शर्मा खरगोन के साथ ही यजमान परिवार महापुराण की पोथी अपने सिर पर रखकर साथ ही माता बहने कलश धारण कर नृत्य करते हुए भव्य शोभायात्रा के साथ चल रहे थे ।इस विशाल कलश शोभायात्रा में सैकड़ो की संख्या में एक परिधान के साथ महिलाएं और पुरुष सम्मिलित हुए। नगर में जगह जगह पर स्वागत द्वार बनाकर जलपान एवं ठंडाई बाटी गई। मां के जयकारे के साथ आरती कर प्रसाद वितरण की गई। मंदिर समिति के प्रमुख कमलेश नागर ने शिव महापुराण कथा में पधारने का आव्हान सभी समाजजन से किया।

कुक्षी में 3 अप्रैल को होगा 200 से अधिक गणगौर रथों का सामूहिक नृत्य

कुक्षी(धार) धार्मिक नगर की पहचान बन चुके शहर कुक्षी का गणगौर पर्व क्षेत्र में व्यापक स्तर पर मनाया जाता है। गणगौर पर्व की विशेष छटा गणगोरी तीज 31 मार्च से गणगौर पंचमी तक रहेगी। 3 अप्रैल की शाम को शहर के हृदय स्थल कचहरी चौक में होने वाले इस लोक पर्व में 200 से अधिक श्रृंगारित रथों का सामूहिक नृत्य होगा। जिसे देखने शहर के अलावा अंचल से बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचेंगे।

निमाड़ अंचल के अंतिम छोर तथा धार जिले की सबसे बड़ी तहसील कुक्षी में क्षत्रिय सीरवी समाज द्वारा इस पर्व को दीपावली की तरह विशेष अंदाज में मनाया जाता है। कुक्षी शहर के साथ परगना के कई गांव में भी इस पर्व की रोनक देखते बनती है। यहां जब एक साथ रथों का गणगौर नृत्य होता है वह पल अदभुद होता है जिसे निमाड़ मालवा क्षेत्र में काफी सराहा जाता है।

आज से बिखरेगी पर्व की छटा- आज 31 मार्च को माता की बाड़ी में ज्वारों का पूजन- अर्चन तथा दर्शन आज सुबह तीन बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगेगी। माता के ज्वारों को गणगौर की काष्ठ प्रतिमाओं में रखकर घर लाया जाएगा। गणगोरी तीज की प्रथम रात में सीरवी समाज द्वारा श्री आई माताजी मंदिर में गणगौर रथ रखे जाएंगे और वही रात्रि माताजी का रात्रि विश्राम होगा साथ हि रात्रि के 12 बजे समाज की महिलाएं रथों के सामने माता के झलारिया गाकर रतजगा करेगी। इसके बाद रात्रि में प्रसिद्ध मटकी नृत्य, ताली सु आदि नृत्य से पूरी रात कार्यक्रम आयोजित होंगे। 01 अप्रैल को सिर्वी मोहल्ला बड़ी हताई में माता जी का रात्रि विशाम होगा तथा दिन में डांडिया नृत्य किया जाएगा। 2 अप्रैल की रात्रि मे श्री आई माताजी चौक में गणगौर रथ रखे जाएंगे ओर दिन में छोटी हताई मे डांडिया नृत्य होगा। इस दिन बुधवार होने से माता के बिदाई गुरूवार को होगी।

3 अप्रैल की रात्रि मे माताजी का विश्राम सिर्वी महोल्ला नेनकी हताई मे होगा। इसी दिन दोपहर 05 बजे डांडिया नृत्य होगा।

03 अप्रेल गुरूवार को शहर के हृदय स्थल कचहरी चौक में होने वाले इस लोक पर्व में 200 से अधिक श्रृंगारित रथों का सामूहिक नृत्य होगा। जिसे देखने शहर के अलावा अंचल से बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचेंगे व मातारानी के नृत्य को निहारेंगे। राजस्थानी वेशभूषा में श्रृंगार किया जाता है यहां रथों का यहां का गणगौर पर्व की प्रसिद्धि को इसी अंदाज से लगाए जा सकता है कि कुक्षी में गणगौर रथों का श्रृंगार भी विशेष होता हे। राजा ईश्वर जी को राजस्थानी अंगरखा, साफा, हाथ में तलवार तथा माता का विशेष साड़ी, बिंदी कान में झुमके, हाथ में चूड़ी, गले में हार का श्रृंगार ऐसा लगता है मानो साक्षात देवता ही नृत्य कर रहे हो।

उत्सव स्थलों को दुल्हन की तरह सजाया गया शहर के प्रमुख उत्सव स्थल कचहरी चौक, मुख्य सराफा बाजार, श्री आई माता जी का माणक चौक,बड़ी हताई, नेनकी हताई, श्री राम चौक, सेप्टा गली, नयापुरा क्षेत्र, रेटकुआं तथा श्री आई माताजी द्वार आदि उत्सव स्थलों को दुल्हन की तरह जगमग लाइटों से सजाया गया है। पर्व पर पूरे शहर का वातावरण भक्तिमय हो गया है।

400 से अधिक परिवार एक साथ मनाते हैं पर्व कुक्षी में रहने वाले क्षत्रिय सीरवी समाज का यह पर्व इसलिए भी खास है क्योंकि यहां निवास करने वाले सीरवी समाज के 400 से अधिक परिवार इस प्रमुख पर्व को एक साथ मनाते हैं पर्व के दौरान परिवार के सदस्य कहीं भी हो अपने घर आकर तीन दिनों तक माता की पूजा अर्चना व सेवा भाव में लीन हो जाते हैं। पर्व के दिनों में यह सभी कार्यक्रम क्षत्रिय सीरवी समाज सकल पंच अध्यक्ष कांतिलाल गेहलोत,उपाधक्ष्य कैलाश काग,कोषाधक्ष्य राजेश भायल,कोटवाल रमेश परिहार,कोठारी मोतीलाल काग,वरिष्ठ पंच राजेश राठौर व समाज के वरिष्ठजनों के सानिध्य में सम्पूर्ण आयोजन संपन्न होते हैं।

मोनालिसा के फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा पर रेप के बाद एक और बड़ा आरोप

नेशनल डेस्क. विवादों में घिरे द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल के निर्देशक सनोज मिश्रा को दिल्ली पुलिस ने रेप, जबरन अबॉर्शन और अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला अब एक नया मोड़ लेता दिख रहा है, क्योंकि जिस महिला ने उन पर आरोप लगाए थे, अब उसी ने अपने बयान बदल लिए हैं। महिला का कहना है कि उसे वसीम रिवी ने सनोज मिश्रा के खिलाफ झूठा केस दर्ज कराने के लिए मजबूर किया और धमकी दी कि अगर उसने ऐसा नहीं किया, तो उसकी जान को खतरा होगा। एक वीडियो सामने आया है, जिसमें महिला यह दावा कर रही है कि वह पिछले 5 साल से सनोज मिश्रा के साथ रह रही थी और उनके बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते थे। महिला का कहना है कि इस बार वसीम रिवी ने इस लड़ाई का गलत फायदा उठाया और उसे सनोज मिश्रा के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराने के लिए उकसाया। महिला ने आगे कहा कि उसे जान से मारने की धमकी तक दी गई। यह पहली बार नहीं है जब सनोज मिश्रा विवादों में घिरे हैं। उनकी फिल्म 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' की रिलीज से पहले वह लापता हो गए थे और उन्होंने कोलकाता की ममता सरकार पर गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद उन्होंने 'द डायरी ऑफ मणिपुर' बनाने की घोषणा की, जिसमें उन्होंने महाकुंभ की मोनालिसा को कास्ट किया, जिससे वे चर्चा में आए। इसी दौरान वसीम रिवी ने उन पर कई गंभीर आरोप लगाए थे, जिन्हें उन्होंने पूरी तरह खारिज कर दिया था।

दिल्ली पुलिस ने की पुष्टि, केस की जांच जारी

दिल्ली पुलिस ने नबी करीम थाने में इस केस को दर्ज किया था और बाद में सनोज मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। अब जबकि महिला के बयान बदलने की खबर सामने आई है, तो पुलिस इस मामले की नए सिरे से जांच कर सकती है। महिला के नए दावे के बाद यह सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या सनोज मिश्रा को साजिश के तहत फंसाया गया? या फिर सच कुछ और ही है?

फिल्म इंडस्ट्री में सनोज मिश्रा की छवि

सनोज मिश्रा बोल्ड और विवादित विषयों पर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने हमेशा सत्ता और सामाजिक मुद्दों से जुड़े विषयों पर फिल्में बनाई हैं। उनकी फिल्म 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' को लेकर विवाद इतना बढ़ा था कि उन्हें धमकियां तक मिलीं। अब उनके खिलाफ दर्ज रेप केस ने इंडस्ट्री को हिला कर रख दिया है।

क्या सनोज मिश्रा को फंसाने की साजिश रची गई?

महिला के नए बयान ने इस केस को पूरी तरह से पलट दिया है। अब यह देखना होगा कि क्या दिल्ली पुलिस इस मामले की दोबारा जांच करेगी? क्या वसीम रिवी पर भी कोई कार्रवाई होगी?

फिल्म इंडस्ट्री और पब्लिक की राय

सोशल मीडिया पर लोग इस मामले पर मिश्रित प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ लोग इसे सनोज मिश्रा को फंसाने की साजिश बता रहे हैं, तो कुछ अब भी उन पर लगे आरोपों को गंभीरता से ले रहे हैं। अब देखना होगा कि इस केस का अगला कदम क्या होता है और क्या महिला के बदले हुए बयान से सनोज मिश्रा को राहत मिलेगी या नहीं।

चीन की सैन्य रणनीति तेज, ताइवान के चारों ओर सैन्य शक्ति प्रदर्शन

चीन ने ताइवान पर अपनी संप्रभुता का दावा करने के लिए उसके आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया जिसमें उसके कई बलों ने हिस्सा लिया। इस अभ्यास का मकसद ताइवान की ''उन ताकतों को कड़ी चेतावनी देना है जो स्वयं को स्वायत्त बताती हैं।' 'चाइनीज पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ईस्टर्न थिएटर कमांड के एक प्रवक्ता ने बताया कि कमान ने मंगलवार को ताइवान द्वीप के आसपास संयुक्त अभ्यास शुरू किया। 'थिएटर कमांड के प्रवक्ता सीनियर कर्नल शी यी ने सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ के हवाले से कहा कि कमान ने अपनी थलसेना, नौसेना, वायुसेना और रॉकेट बलों को कई दिशाओं से ताइवान द्वीप के पास पहुंचने के लिए संगठित किया चीन ताइवान को अपनी मुख्य भूमि का हिस्सा मानता है। उसने हाल के दिनों में इसी तरह के सैन्य अभ्यास किए हैं, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए सत्ता संभालने के बाद से ताइवान के आसपास यह पहला बड़ा सैन्य अभ्यास है।

शी के अनुसार, ये अभ्यास मुख्य रूप से समुद्री एवं हवाई युद्ध के लिए तैयारी गश्त, उत्कृष्ट संयुक्त अभ्यास, समुद्री और जमीनी लक्ष्यों पर हमले का अभ्यास और सैनिकों की संयुक्त अभियानगत क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए प्रमुख क्षेत्रों और समुद्री मार्गों पर केंद्रित हैं। शी ने कहा कि यह अभ्यास ''ताइवान की आजादी की समर्थक अलगाववादी ताकतों के खिलाफ एक सख्त चेतावनी है और चीन की संप्रभुता एवं राष्ट्रीय एकता की रक्षा के लिए एक वैध एवं आवश्यक कार्रवाई है।

फिर अंतरिक्ष जाने को तैयार सुनीता !

कहा- हम फिर भरेंगे उड़ान, पिछली गलतियों को सुधारेंगे

नेशनल डेस्क. नासा के प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स ने सोमवार को कहा कि उनकी अंतरिक्ष यात्रा के दौरान जो कुछ भी गलत हुआ, उसके लिए कुछ हद तक वे स्वयं जिम्मेदार हैं। प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्रियों ने कहा कि वे 'बोइंग स्टारलाइनर पर पुन: उड़ान भरेंगे। 'स्पेसएक्स ने हाल में दोनों अंतरिक्षयात्रियों को अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर नौ महीने से अधिक समय तक रहने के बाद धरती पर पहुंचाया है। बोइंग पिछले साल उनके बिना ही पृथ्वी पर लौट आया था। नासा के प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स ने सोमवार को कहा कि उनकी अंतरिक्ष यात्रा के दौरान जो कुछ भी गलत हुआ, उसके लिए कुछ हद तक वे स्वयं जिम्मेदार हैं। प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्रियों ने कहा कि वे 'बोइंग स्टारलाइनर पर पुन: उड़ान भरेंगे। 'स्पेसएक्स ने हाल में दोनों अंतरिक्षयात्रियों को अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर नौ महीने से अधिक समय तक रहने के बाद धरती पर पहुंचाया है। बोइंग पिछले साल उनके बिना ही पृथ्वी पर लौट आया था। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों ने कहा कि वे फिर से स्टारलाइनर में सवार होंगे। उन्होंने कहा, ''हम उन सभी समस्याओं को ठीक करने जा रहे हैं जिनका हमने सामना किया। हम उन्हें सुधारेंगे। हम इसे काम करने लायक बनाएंगे। विल्मोर ने कहा कि अगर मौका मिला तो वह बिना देर किए फिर से अंतरिक्ष में जाएंगे। विलियम्स ने कहा कि स्टारलाइनर में बहुत क्षमता है और वह इसे सफल होते देखना चाहती हैं। दोनों बुधवार को बोइंग के शीर्ष नेतृत्व से मिलेंगे और उड़ान तथा इसकी समस्याओं के बारे में जानकारी देंगे।

नासा या बोइंग, कौन है अंतरिक्ष में देरी से फंसे रहने के लिए जिम्मेदार? सुनीता विलियम्स-बुच विल्मोर ने तोड़ी चुप्पी

नेशनल डेस्क: भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से सुरक्षित लौटने के बाद पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने नासा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क को उनकी वापसी में सहायता के लिए धन्यवाद दिया।

स्टारलाइनर से दोबारा यात्रा पर विचार

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या वे स्टारलाइनर से दोबारा यात्रा करना चाहेंगे, तो बुच विल्मोर ने स्पष्ट रूप से जवाब दिया, हां, क्योंकि हम इसमें सुधार करेंगे, इसे दुरुस्त करेंगे और इसे पूरी तरह से काम करने लायक बनाएंगे। बोइंग और नासा दोनों ही इस मिशन के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। सुनीता विलियम्स ने अपनी रिकवरी प्रक्रिया के बारे में बात करते हुए बताया कि वापसी के बाद मैंने अब तक तीन मील दौड़ पूरी की है। मैं धीरे-धीरे पृथ्वी के माहौल में खुद को ढाल रही हूं।

एक अन्य इंटरव्यू में, फॉक्स न्यूज से बात करते हुए दोनों अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतरिक्ष उड़ान की कठिनाइयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में जाना कठिन है, लेकिन खुद को आगे बढ़ाने और नई तकनीक के उपयोग से चीजों को और बेहतर बनाना उससे भी अधिक चुनौतीपूर्ण है।

बोइंग में गड़बड़ी पर प्रतिक्रिया

बोइंग के स्टारलाइनर यान में आई तकनीकी गड़बड़ी पर पूछे गए सवाल पर बुच विल्मोर ने कहा कि हम किसी पर उंगली नहीं उठाना चाहते। कुछ मामलों में, शायद हम फंसे हुए थे, लेकिन यह कहना कि हमें छोड़ दिया गया और भुला दिया गया, बिल्कुल गलत है। हम योजना के मुताबिक घर नहीं लौट पाए, इसलिए हम कह सकते हैं कि हम फंस गए थे, लेकिन व्यापक दृष्टिकोण से देखें तो हम वास्तव में फंसे नहीं थे। हमने हर परिस्थिति के लिए तैयारी की थी।

सुनीता विलियम्स ने इस बात पर जोर दिया कि हमने अपने मिशन की योजना इस तरह से बनाई थी कि अगर हमें लंबे समय तक वहां रहना पड़े तो भी हम तैयार रहें। हमने न केवल आईएसएस पर रखरखाव और विज्ञान प्रयोगों के लिए बल्कि अंतरिक्ष में चहलकदमी और रोबोटिक्स जैसी तकनीकों के लिए भी गहन प्रशिक्षण लिया था। हमें जो भी करने के लिए कहा जाता, हम उसके लिए पूरी तरह तैयार थे।

राष्ट्रपति ट्रंप का आरोप और अंतरिक्ष यात्रियों की सफाई

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आरोप लगाया था कि जो बाइडेन प्रशासन ने अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस में फंसा हुआ छोड़ दिया था। जब इस पर अंतरिक्ष यात्रियों से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो बुच विल्मोर ने स्पष्ट किया कि हमारे मिशन के दौरान जो कुछ भी हुआ, उसके लिए किसी एक को दोषी ठहराना सही नहीं होगा। हमारी वापसी एक योजनाबद्ध प्रक्रिया थी और इसमें कोई लापरवाही नहीं हुई।

धरती पर लौटने के बाद पहला काम

जब सुनीता विलियम्स से पूछा गया कि पृथ्वी पर लौटने के बाद उन्होंने सबसे पहले क्या किया, तो उन्होंने बताया कि मैंने सबसे पहले अपने पति और अपने कुत्तों को गले लगाया। फिर घर लौटकर ग्रिल्ड चीज़ सैंडविच का स्वाद लिया। उन्होंने अपने पिता को भी याद किया, जो शाकाहारी थे और उनके आहार से प्रेरित थे।

येशू-येशू वाले पास्टर बजिंदर सिंह को हुई उम्रकैद, 7 साल बाद पीड़िता को मिला इंसाफ

नेशनल डेस्क. येशू-येशू वाले पास्टर बजिंदर को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। मोहाली के पॉक्सो कोर्ट ने पादरी को आजीन कारावास की सज़ा सुनाई है। बीते दिनों को कोर्ट ने बजिंदर सिंह को 2018 के यौन उत्पीड़न मामले में दोषी ऐलान किया है। कोर्ट ने इस पर फैसला सुनाते हुए कहा कि, वह (बजिंदर) एक मनोरोगी है और जेल से बाहर आने के बाद भी यही अपराध करेगा, इसलिए मैं चाहती हूं कि वह जेल में ही रहे। आज बहुत सी लड़कियों (पीड़ितों) की जीत हुई है। मैं पंजाब के डीजीपी से अनुरोध करती हूं कि हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करें क्योंकि हम पर हमले की संभावना है। फैसला आने के बाद से पीड़िता काफी खुश है। उसके पति ने कहा कि, हमने इस केस के लिए सात साल तक संघर्ष किया।

वह (दोषी) अदालत को गुमराह करता था और विदेश यात्राएं करता था, जबकि अदालत के आदेश उसे ऐसा करने की अनुमति नहीं देते थे। मुझ पर फर्जी एफआईआर दर्ज की गई, हम पर हमला किया गया, मैंने छह महीने जेल में बिताए और फिर मैंने उसे सजा दिलवाने की ठानी। हमें न्यायपालिका पर भरोसा था। मैं चाहता था कि उसे कड़ी सजा मिले। छह आरोपी थे, उनमें से 5 पर केस खारिज हो चुका है और पादरी बजिंदर को दोषी करार दिया गया है। हम अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं। सुनवाई वाले दिन पीड़िता के वकील द्वारा आरोपी को लिए सज़ा की मांग रखी थी। उन्होंने कहा था कि, मामले की परिस्थितियों के आधार पर बलात्कार के अपराध के लिए 10 से 20 साल की सजा का प्रावधान है। इस मामले में मैं अदालत से दोषी बजिंदर के लिए उचतम सजा की मांग करता हूं, क्योंकि यह व्यक्ति धर्म के नाम पर लोगों को बहकाता था। उसे सख्त सजा देना जरूरी है। मुझे उम्मीद है कि इसके बाद, इस तरह के अपराधों का सामना करने वाली लड़कियां सामने आएंगी और अत्याचारों के बारे में बताएंगी।

शवों को सामूहिक कब्र में दफनाया

गाजा में इजराइली सैनिकों ने 15 फिलीस्तीनी डाक्टरों को दी क्रूर मौत

इंटरनेशनल डेस्क: इजराइली सैनिकों ने दक्षिणी गाजा में 15 चिकित्साकर्मियों एवं आपात स्थिति में बचाव कार्य करने वाले कर्मियों की हत्या कर उन्हें एक सामूहिक कब्र में दफना दिया। संयुक्त राष्ट्र और अन्य सहायता एजेंसियों ने यह जानकारी दी। फिलीस्तीन में मानवीय सहायता पहुंचाने में मदद करने वाले 'पैलिस्टिनीयन रेड क्रिसेंट ने कहा कि कर्मियों और उनके वाहनों पर स्पष्ट रूप से चिकित्सा एवं मानवीय सहायता कर्मियों का चिह्न लगा हुआ था। उसने इजराइली सैनिकों पर इन कर्मियों की ''बेरहमी से हत्या करने का आरोप लगाया।

इस बीच, इजराइली सेना ने कहा कि उसके सैनिकों ने ''संदिग्ध रूप से उनके पास आ रहे ऐसे वाहनों पर गोलियां चलाईं जिन पर ऐसा कोई चिह्न नहीं था जो उनकी पहचान बता सके। मृतकों में 'रेड क्रिसेंट के आठ कर्मी, गाजा की नागरिक सुरक्षा आपातकालीन इकाई के छह सदस्य और फलस्तीनियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी 'यूएनआरडब्ल्यूए का एक सदस्य शामिल था। 'इंटरनेशनल रेड क्रॉस/रेड क्रिसेंट ने कहा कि यह पिछले आठ साल में उसके कर्मियों पर सबसे घातक हमला है। संयुक्त राष्ट्र ने इन हत्याओं के लिए ''न्याय और जवाब मांगा। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय प्रमुख टॉम फ्लेचर ने कहा, ''वे लोगों की जान बचाने की कोशिश करते समय इजराइली बलों द्वारा मारे गए। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 18 महीने पहले गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल के हमलों में 100 से अधिक नागरिक सुरक्षा कर्मी और 1,000 से अधिक चिकित्साकर्मी मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इजराइली सेना ने उसे बताया कि उसने शवों को तेल अल-सुल्तान के किनारों पर एक बंजर क्षेत्र में दफनाया है जिसके बाद संयुक्त राष्ट्र के दल वहां पहुंचे। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी फुटेज में नारंगी जैकेट पहने बचावकर्मी मिट्टी खोदकर एक दूसरे के ऊपर रखे शवों को निकालते दिख रहे हैं। ये शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हैं। संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी जोनाथन व्हिटॉल ने कहा, ''उनके शवों को इस सामूहिक कब्र में दफना दिया गया था। जो यहां हुआ वह बहुत भयावह है। दक्षिणी शहर खान यूनिस के नासिर अस्पताल के मुर्दाघर के बाहर सोमवार को फलस्तीनियों ने इन शवों को पूरी विधि के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया। इजराइल की सेना ने सोमवार को गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर रफा के अधिकांश हिस्सों को खाली करने के आदेश जारी किए हैं, जो गाजा पट्टी के सबसे दक्षिणी शहर में इजराइली सेना द्वारा एक और बड़ा जमीनी अभियान शुरू करने के संकेत हैं। इजराइल ने इस महीने की शुरूआत में हमास समूह के साथ अपने युद्ध विराम को समाप्त कर दिया और हवाई एवं जमीनी युद्ध को फिर से शुरू कर दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569